वर्ष: 7 अंक: 04
16-31 अगस्त, 2026 (नि:शुल्क)

# न्यू इंडिया समाचार

हमें फॉलो करें @NISPIBIndia

प्रधानमंत्री जन-धन योजना
मेरा खाता भाग्य विधाता

जन-धन योजना के 12 वर्ष

# जन-धन से जन-गण-मन तक

महिला सशक्तीकरण से लेकर डीबीटी तक, बैंकिंग-बीमा-पेंशन सुरक्षा से लेकर डिजिटल भुगतान क्रांति तक, 12 वर्षों की यात्रा में जन-धन योजना के पांच स्तरीय प्रभाव ने 'जन' को 'जन-गण-मन' यानी राष्ट्रीय चेतना और गरिमा से भी जोड़ दिया...

# भारत के रक्षा उपकरण और तकनीक पर बढ़ रहा दुनिया का भरोसा

*'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की कुछ ऐसी उपलब्धियों की चर्चा करते हैं जो देशवासियों को गर्व से भर देती है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' के 136वीं कड़ी की शुरुआत कारगिल विजय दिवस के वीरों को नमन करते हुए की। मध्य प्रदेश के सीधी जिले के जल संरक्षण अभियान की सराहना की। उन्होंने स्वदेशी रक्षा उपकरणों और अलग-अलग ओलंपियाड में देश की उपलब्धियों का भी जिक्र किया। प्रस्तुत है मन की बात के संपादित अंश...*

- **'शौर्य विजय यात्रा' :** 14 जुलाई को दिल्ली के 'नेशनल वॉर मेमोरियल' से शुरू हुई शौर्य विजय मोटरसाइकिल यात्रा, द्रास के कारगिल वॉर मेमोरियल तक पहुंचेगी। इसका संदेश है - "वन राइड, वन नेशन, वन सैल्यूट।"
- **आत्मनिर्भर भारत :** भारतीय नौसेना में आईएनएस महेंद्रगिरि को शामिल किया गया। यह आधुनिक जंगी जहाज भारत में ही बना है। इसमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग हुआ है। यह आत्मनिर्भर भारत की बढ़ती शक्ति का प्रतीक है।
- **सामूहिक परिश्रम :** डीआरडीओ ने पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट का सफल परीक्षण किया है। इस सफलता के पीछे हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों का सामूहिक परिश्रम है।
- **नई ऊंचाइयां :** आज रक्षा उत्पादन हो, रक्षा निर्यात हो या मित्र देशों के साथ राजनीतिक सहयोग-भारत लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। दुनिया का भरोसा भारत के रक्षा उपकरणों और तकनीक पर बढ़ रहा है।
- **'कैच द रेन' :** 'कैच द रेन' अभियान में बारिश की हर बूंद को सहेज कर इसे जन-आंदोलन बनाएं। 'कैच द रेन' का संदेश बहुत सीधा है - जहां बारिश गिरे, जब बारिश गिरे, पानी को वहीं सहेजिए।
- **देश को गर्व :** पीवी सिंधु, बैडमिंटन में जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। उनकी इस उपलब्धि पर पूरे देश को गर्व है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी लंदन में लॉर्ड्स मैदान स्टेडियम पर खेला गया पहला महिला अंतरराष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट मैच जीता है। यह एक ऐतिहासिक जीत है।
- **विक्रम-1 :** विक्रम-1 के सफल लॉन्च से हर देशवासी गौरव से भरा हुआ है। हम सभी भारतीय स्पेस सेक्टर के इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने। यह प्राइवेट सेक्टर द्वारा विकसित भारत का पहला रॉकेट है।
- **ओलंपियाड :** भारतीय दल ने फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी और मैथमेटिक्स ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई स्वर्ण और रजत पदक जीते।
- **युवा शक्ति :** मुझे देश की युवा शक्ति पर बहुत गर्व है। यह देखकर खुशी होती है कि भारत में ओलंपियाड और हैकॉथान का कल्चर निरंतर बढ़ रहा है। मुझे विश्वास है कि देश के अधिक से अधिक युवा ऐसे फोरम में अपना इंट्रेस्ट दिखाएंगे और भारत का परचम भी लहराएंगे।
- **'वेस्ट टू वेल्थ' :** बिहार के सीतामढ़ी में 'वेस्ट टू वेल्थ' के तहत कचरे की रिसाइकलिंग कर उससे आकर्षक बेंच बनाई जा रही है। यह प्रयास हमें बताता है कि रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल आज केवल एक नारा नहीं बल्कि हमारे जीवन का हिस्सा बनता जा रहा है।
- **लोकटक झील :** एस्ट्रोफिजिसिस्ट डॉ. रोनाल्डो लैशराम द्वारा खोजे गए यंग गैलेक्सीज के एक विशाल समूह का नाम मणिपुर की प्रसिद्ध लोकटक के नाम पर रखा है जो ताजे पानी की बहुत बड़ी झील है। यह उपलब्धि हर भारतीय का गौरव बढ़ाने वाली है।
- **खादी की बिक्री :** पिछले 12 वर्षों में खादी की बिक्री 6 गुना बढ़ी है। बिक्री का यह आंकड़ा अब 8,000 करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुका है। मेरा सभी से आग्रह है कि आने वाले त्योहारों में 'खादी', हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट का कोई-न-कोई उत्पाद जरूर खरीदें।

'मन की बात' पूरी सुनने के लिए QR कोड स्कैन करें।

न्यू इंडिया
# समाचार

वर्ष: 7, अंक: 04 । 16-31 अगस्त, 2026

प्रधान संपादक
**धीरेन्द्र ओझा**
प्रधान महानिदेशक
पत्र सूचना कार्यालय, नई दिल्ली

मुख्य सलाहकार संपादक
**संतोष कुमार**

वरिष्ठ सहायक सलाहकार संपादक
**पवन कुमार**

सहायक सलाहकार संपादक
**अखिलेश कुमार**
**चन्दन कुमार चौधरी**

भाषा संपादन
**सुमित कुमार (अंग्रेजी)**
**रजनीश मिश्रा (अंग्रेजी)**
**नदीम अहमद (उर्दू)**

सीनियर डिजाइनर
**फूलचंद तिवारी**

डिजाइनर
**अभय गुप्ता**
**सत्यम सिंह**

**13 भाषाओं में उपलब्ध न्यू इंडिया समाचार को पढ़ने के लिए क्लिक करें।**

https://newindiasamachar.pib.gov.in/news.aspx

**न्यू इंडिया समाचार के पुराने अंक पढ़ने के लिए क्लिक करें**

https://newindiasamachar.pib.gov.in/archive.aspx

न्यू इंडिया समाचार के बारे में लगातार अपडेट के लिए फॉलो करें: @NISPIBIndia

# अंदर के पन्नों पर...

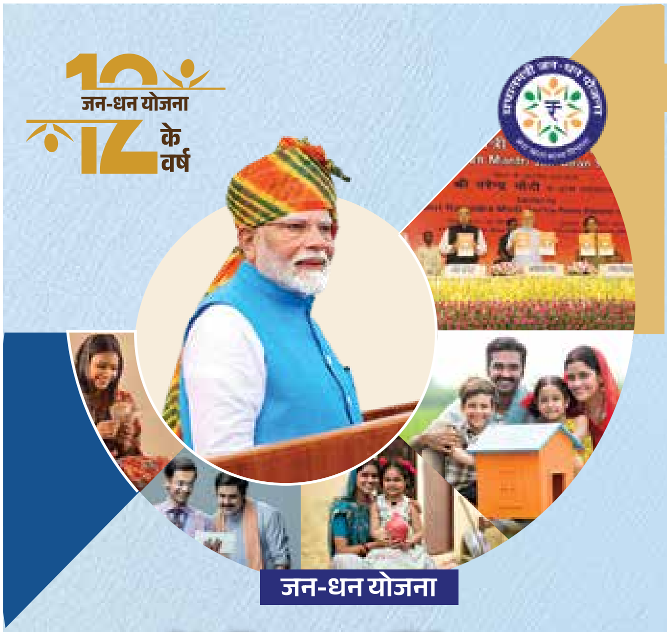


## आवरण कथा

# जन-केंद्रित आर्थिक पहल समावेशी विकास की नींव

बीते 12 वर्षों में किसी योजना ने देश के विकास की सोच और दिशा को बदलकर आर्थिक क्रांति का सूत्रपात किया है तो वह है- 12 वर्ष पहले 28 अगस्त 2014 को शुरू हुई प्रधानमंत्री जन-धन योजना। अब आर्थिक-सामाजिक-तकनीकी सशक्तीकरण की दिशा में जन-धन योजना का बीज बन चुका है वटवृक्ष, जिसने बहुस्तरीय प्रभाव और परिवर्तन के साथ छोड़ी है गहरी छाप... | 8-21

**रेल परिवहन का भविष्य...**
## हाइड्रोजन ट्रेन

जींद से लगभग 14,700 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात | 22-23


समाचार सार | 4-5

भव्य-रसायन योजना को मंजूरी, जारी रहेगी पीएम किसान योजना
केंद्रीय मंत्रिमंडल के महत्वपूर्ण निर्णय | 6-7

तकनीक, नवाचार व स्वास्थ्य सेवा, विकसित भारत की मजबूत नींव
पीएम मोदी ने चंडीगढ़ को 4,700 करोड़ रु. से अधिक की दी सौगातें | 24-25

राष्ट्र के समग्र विकास में भागीदार... खेल की शक्ति
राष्ट्रीय खेल दिवस और फिट इंडिया की 7वीं वर्षगांठ पर विशेष सामग्री | 30-33

भारत ने जीते 13 स्वर्ण सहित कुल 39 पदक
राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने बढ़ाया देश का मान | 34-35

'आर्टिकल 370' को मिला सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार
वर्ष 2024 के लिए 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा | 36-37

व्यक्तित्व : वीरांगना अवंतीबाई लोधी
जिन्होंने आत्मसमर्पण के बजाय चुना आत्मबलिदान | 38


वाइब्रेंट विलेज

## विकसित गांव
**विकसित भारत की मजबूत नींव**

पीएम मोदी ने 26 जुलाई को विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026 के प्रतिभागियों के साथ बातचीत की | 26-27

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त

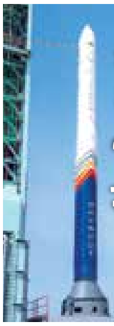

भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल
## 'विक्रम-1' का सफल लॉन्च

भारत दुनिया भर के अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। इसी का एक शानदार उदाहरण 'विक्रम-1' का सफल लॉन्च है, जो भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट है | 28-29


**प्रकाशक: कंचन प्रसाद,** महानिदेशक, सीबीसी (केंद्रीय संचार ब्यूरो)। **पत्राचार और ईमेल के लिए पता:** कमरा संख्या-1077, सूचना भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली- 110003. **ईमेल- response-nis@pib.gov.in आर. एन. आई. नंबर DELHIN/2020/78812**

# संपादक की कलम से...

## जन-धन योजना

# आर्थिक सशक्तीकरण के सफलतम 12 वर्ष

सादर नमस्कार

वित्तीय समावेशन की दिशा में भारत की सबसे बड़ी पहलों में से एक, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, 28 अगस्त को अपने 12 वर्ष पूरे कर रही है। इन 12 वर्षों में यह योजना भारत के सामाजिक-आर्थिक जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन चुकी है, जिसने करोड़ों परिवारों की जिंदगी में आर्थिक लेन-देन को सुगम बनाया है।

इस यात्रा में पांच बड़े बदलाव साफ नजर आते हैं। पहला, वित्तीय समावेशन, जिसके तहत देश भर में 58 करोड़ से अधिक जन-धन खाते खोले गए हैं। दूसरा, महिला सशक्तीकरण, जिसके तहत इनमें से आधे से अधिक यानी 32.72 करोड़ खाते महिलाओं के नाम पर खुले, जिससे वे घर के आर्थिक फैसलों में बराबर की भागीदार बनीं। तीसरा, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, जिसने सब्सिडी में होने वाली गड़बड़ियों को रोककर लाभ सीधे लाभार्थी तक पहुंचाया। चौथा, बीमा एवं पेंशन सुरक्षा, जिसने गरीब और वंचित परिवारों को एक सुरक्षा कवच दिया। और पांचवां, डिजिटल भुगतान क्रांति, जहां रुपे कार्ड और यूपीआई ने कैशलेस अर्थव्यवस्था को गांव-गांव तक पहुंचाया।

इन बदलावों का असर सिर्फ आंकड़ों में नहीं, बल्कि आम लोगों के आत्मविश्वास और गरिमा में दिखता है। हर वह व्यक्ति, जो पहली बार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ा, आज देश की मुख्यधारा अर्थव्यवस्था का सक्रिय भागीदार है।

यही जन-धन योजना की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इसने आमजन को केवल एक बैंक खाते से नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण की उस भावना से जोड़ा है, जिसे हम 'जन-गण-मन' कहते हैं। यह एक योजना भर नहीं, बल्कि एक आत्मनिर्भर होते राष्ट्र की कहानी है और यही इस बार के हमारे अंक की आवरण कथा बनी है।

इसके अलावा व्यक्तित्व की कड़ी में आत्मसमर्पण के बजाय वीरगति को चुनने वाली वीरांगना अवंतीबाई लोधी, 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा, केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय को समाहित किया गया है। साथ ही, 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस और फिट इंडिया अभियान, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के दमदार प्रदर्शन और 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर विशेष सामग्री सहित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पखवाड़े भर के कार्यक्रमों को इसमें शामिल किया गया है।

इसके अलावा, पत्रिका के इनसाइड पेज पर मन की बात और बैक कवर पर 16 अगस्त को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर विशेष सामग्री समाहित है।

आप अपने सुझाव हमें भेजते रहें।

धीरेन्द्र

(धीरेन्द्र ओझा)

हिंदी, अंग्रेजी व अन्य 11 भाषाओं में उपलब्ध पत्रिका पढ़ें/डाउनलोड करें।
https://newindiasamachar.pib.gov.in/news.aspx

# आपकी बात...

## रोचक एवं महत्वपूर्ण जानकारियां देती है न्यू इंडिया समाचार पत्रिका

मेरा नाम पवन कुमार है। मैं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता हूं। न्यू इंडिया समाचार पत्रिका मेरे ज्ञान के आधार को बढ़ाती है। यह रोचक एवं महत्वपूर्ण जानकारियां देती हैं। महत्वपूर्ण पाक्षिक समाचारों और योजनाओं का गहन परीक्षण मेरी क्रिटिकल थिंकिंग को भी बढ़ाती है।

**pawankumarpanwar2003@gmail.com**

## कृषि, उद्योग, विज्ञान और टेक्नोलॉजी के बारे में मिलती है जानकारी

मैं न्यू इंडिया समाचार पत्रिका की टीम को शुभकामनाएं देता हूं। मैं इस पत्रिका का नियमित पाठक हूं। कई सालों से यह पत्रिका मेल से फ्री में आती है। हमारे गांव वाले इस पत्रिका को पढ़ते हैं। मिलने वाली जानकारी से लाभ उठाते हैं। यह पत्रिका राजनीति विज्ञान के छात्रों के लिए एक हैंडबुक है। इसने हमारे छात्रों को अलग-अलग योजनाओं, महिला सशक्तीकरण, कृषि, उद्योग, विज्ञान और टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी हासिल करने में मदद की है।

**babitaborthakur59170@gmail.com**

## क्वालिटी कंटेंट बनाने की कोशिश सराहनीय

मुझे लगता है कि न्यू इंडिया समाचार पत्रिका में आम लोगों के योगदान के लिए एक छोटा सा सेक्शन या कॉलम बनाने पर विचार करना फायदेमंद होगा। इससे आम लोगों को अपने विचार, अनुभव, क्रिएटिव राइटिंग या जरूरी सामाजिक विषयों पर अपनी राय शेयर करने का मौका मिलेगा। ऐसी जगह से न सिर्फ पाठकों को जोड़ने में मदद मिलेगी बल्कि पब्लिकेशन में अलग-अलग, असल जिंदगी के नजरिये को भी सामने लाया जा सकेगा। यह पहल कम्युनिटी की एक मजबूत भावना को बढ़ावा दे सकती है। पत्रिका को ज्यादा भरोसेमंद और पार्टिसिपेटिव बना सकती है। मैं आपकी टीम की क्वालिटी कंटेंट बनाने की कोशिशों की तारीफ करती हूं। उम्मीद करती हूं कि यह आइडिया और वैल्यू जोड़ेगा।

**शालिनी भटनागर**

**sbhatnagar1971@gmail.com**

## पढ़ने के लिए रहता हूं उत्सुक...

मैं न्यू इंडिया समाचार पत्रिका का नियमित पाठक हूं। मुझे यह पत्रिका काफी बेहतरीन लगती है। इससे मैं काफी अपडेटेड रहता हूं। मैं इसे पढ़ने के लिए उत्सुक रहता हूं। इसे पढ़ने से मुश्किल मुद्दों को आसानी से समझने में मदद मिलती है।

**kumar.mohan5699@gmail.com**

पत्राचार और ईमेल के लिए पता: कमरा संख्या-1077, सूचना भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली- 110003

ईमेल- response-nis@pib.gov.in

# समाचार सार

## भारत में डेंगू के पहले टीके को मिली मंजूरी

भारत सरकार के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने डेंगू की रोकथाम के लिए डेंगू टेट्रावैलेंट वैक्सीन (लाइव, एटेन्यूएटेड) क्यूडेंगा की मार्केटिंग की मंजूरी दी है। इस टीके का निर्माण टाकेदा जीएमबीएच, जर्मनी द्वारा किया गया है। यह भारत में डेंगू रोग की रोकथाम के लिए स्वीकृत देश का पहला टीका है। डेंगू के इस टीके को डब्ल्यूएचओ की प्री-क्वालिफिकेशन और मजबूत वैश्विक सुरक्षा रिकॉर्ड के साथ 42 देशों में पहले ही मंजूरी मिली हुई है। वहां अब तक इस टीके की 2.4 करोड़ से अधिक खुराकें वितरित की जा चुकी हैं। सीडीएससीओ के अनुसार टीके की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता के व्यापक वैज्ञानिक मूल्यांकन के बाद मंजूरी दी गई है। डेंगू टेट्रावैलेंट वैक्सीन (लाइव, एटेन्यूएटेड)-क्यूडेंगा 4 से 60 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में डेंगू की बीमारी से बचाव के लिए तीन महीने के अंतराल (0 और 3 महीने) में दो खुराक दी जाती है।

## सेवानिवृत्त अग्निवीरों के लिए आरक्षण

केंद्र सरकार ने अग्निवीरों को अलग-अलग पदों पर भर्ती में आरक्षण व रियायत देने का फैसला किया है। इसके तहत सरकार ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और असम राइफल्स में कांस्टेबल पदों की भर्ती में पूर्व अग्निवीरों की एक नई श्रेणी बनाई है। इस श्रेणी के तहत रिक्तियों में 50% का आरक्षण और निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में 3 वर्ष की छूट दी जाएगी। पूर्व अग्निवीरों के प्रथम बैच के उम्मीदवारों को निर्धारित अधिकतम आयु सीमा से परे 5 वर्ष की आयु में भी छूट दी जाएगी। अग्निवीरों को शारीरिक दक्षता परीक्षण (पीईटी) और लिखित परीक्षा से छूट मिलेगी।

### रेलवे भर्ती में भी अग्निवीरों को मिलेगा आरक्षण

- रेलवे में अराजपत्रित पदों पर सीधी भर्ती में अग्निवीरों को वेतन स्तर-एक में 10% और वेतन स्तर-दो में 5% का आरक्षण का प्रावधान।
- रेल सुरक्षा बल विभाग में कांस्टेबल की भर्ती में 10% आरक्षण दिया जाएगा।

## खगोलविदों ने खोजा दुर्लभ ब्लू स्ट्रैगलर तारा

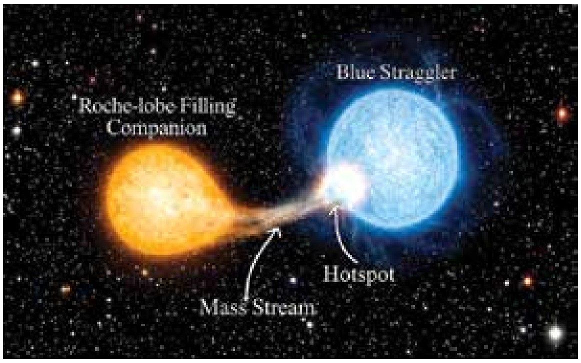


भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए) के वैज्ञानिकों ने अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर एक दुर्लभ ब्लू स्ट्रैगलर तारा खोजा है। यह तारा अभी निर्माण की प्रक्रिया में है। यह तारा लगभग 9,500 प्रकाश वर्ष दूर कोलिंडर 261 तारा समूह में स्थित है। अध्ययन में पाया गया कि यह अपने साथी तारे से लगातार पदार्थ ले रहा है, जिससे वह अधिक गर्म, चमकीला और विशाल बन रहा है। नासा के टीईएसएस मिशन तथा यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला के वेरी लार्ज टेलीस्कोप के आंकड़ों से इस खोज की पुष्टि हुई। शोधकर्ताओं ने पाया है कि ब्लू स्ट्रैगलर तारे में द्रव्यमान स्थानांतरण अभी भी हो रहा है, जो 5.46 अरब वर्ष पहले शुरू हुआ था। यह भी सामने आया है कि ब्लू स्ट्रैगलर तारे का द्रव्यमान सूर्य से 1.67 गुना है।

# पीएलआई से बढ़ी मैन्युफैक्चरिंग

## निवेश-निर्यात बढ़ा, 14.15 लाख से अधिक रोजगार भी सृजित

सरकार ने देश में विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने, निर्यात बढ़ाने, रोजगार सृजित करने के उद्देश्य से जिन 14 प्रमुख क्षेत्रों के लिए उत्पादन-संबंधित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं शुरू की थीं, उसने 31 मार्च, 2026 तक 2.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित किया है। इससे 14.15 लाख से अधिक (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) रोजगार सृजित हुए। साथ ही इस योजना से अब तक सामूहिक रूप से 15.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निर्यात संभव हो पाया है।

**मोबाइल विनिर्माण:** योजना के लॉन्च के बाद मोबाइल उत्पादन 2.4 गुना बढ़ा, आयात 77% घटा। देश में उपयोग होने वाले 99.2% फोन स्वदेशी।

**फार्मास्युटिकल:** 3.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक बिक्री हुई, 1,931 दवाओं और 191 नई बल्क दवाओं का घरेलू उत्पादन शुरू हुआ।

**चिकित्सा उपकरण**
पीएलआई से सीटी स्कैनर, एमआरआई, कैथ लैब और अल्ट्रासोनोग्राफी उपकरणों का घरेलू निर्माण बढ़ा, 55 उपकरण विकसित हुए।

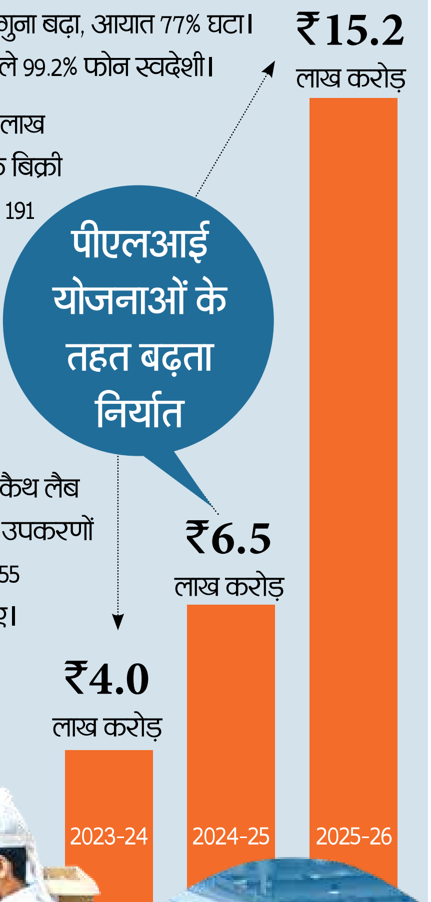

## 'कुशा' मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 23 जुलाई 2026 को ओडिशा तट के पास एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल 'कुशा' का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया। यह पहला परीक्षण एक इलेक्ट्रॉनिक लक्ष्य के विरुद्ध किया गया, जो उच्च गति और उच्च ऊंचाई वाले हवाई खतरे का अनुकरण कर रहा था। मिसाइल प्रणाली द्वारा इस लक्ष्य को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट (नष्ट) किया गया। 'कुशा' मिसाइल प्रणाली लड़ाकू विमानों, मिसाइलों, मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) और बड़े दुश्मन विमानों सहित विभिन्न प्रकार के हवाई खतरों को व्यापक दूरी और ऊंचाई के दायरे में निष्क्रिय करने में सक्षम है।

## अंतरराष्ट्रीय विज्ञान एवं गणित ओलंपियाड 2026 में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन

अंतरराष्ट्रीय भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और गणित ओलंपियाड 2026 में भारतीय छात्रों ने असाधारण प्रदर्शन कर वैश्विक पटल पर देश की वैज्ञानिक उत्कृष्टता का परचम लहराया है। भारत ने इस वर्ष कुल चार ओलंपियाड में 12 स्वर्ण और 7 रजत पदक हासिल किए। इसमें सबसे ऐतिहासिक बात यह रही कि भौतिकी और रसायन विज्ञान ओलंपियाड में भाग लेने वाले सभी भारतीय प्रतिनिधियों ने स्वर्ण पदक जीते। यह शानदार सफलता विज्ञान और गणित के राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम की प्रभावशीलता को साबित करती है। परमाणु ऊर्जा विभाग के सहयोग और होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र के कुशल मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम संचालित हो रहा है।

लगभग चार दशकों से, परमाणु ऊर्जा विभाग देश की प्रतिभाशाली युवा ऊर्जा की पहचान कर उसे तराशने और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सफलता दिलाने के लिए निरंतर संस्थागत सहायता प्रदान कर रहा है। यह अभूतपूर्व उपलब्धि भारत के मजबूत वैज्ञानिक भविष्य और वैश्विक स्तर पर इसकी बढ़ती साख का प्रत्यक्ष प्रमाण है। ■

केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय

# भव्य-रसायन योजना को मंजूरी

# जारी रहेगी पीएम किसान योजना

*रसायन उत्पादन के क्षेत्र में देश को अग्रणी बनाने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है। यही कारण है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भव्य-रसायन योजना को मंजूरी दी जो देश के केमिकल और पेट्रोकेमिकल इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। साथ ही, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना को 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने के अलावा कई अन्य अहम प्रस्तावों को दी गई है मंजूरी...*

**निर्णय : देश में तीन समर्पित रासायनिक पार्क स्थापित करने के लिए भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन को मंजूरी दी जिसे भव्य-रसायन योजना भी कहा जा सकता है।**

**प्रभाव :** इस योजना की घोषणा वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में की गई थी। योजना के लिए 3,030 करोड़ रुपये का आवंटन किया जाएगा। योजना पांच वर्ष के लिए वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 तक लागू रहेगी।

- रसायन उद्योग के अपस्ट्रीम, डाउनस्ट्रीम और सहायक मूल्य श्रृंखला उद्योगों के समग्र विकास को बढ़ावा मिलेगा।
- उत्पादन लागत में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। भारतीय रसायन उद्योग वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनेगा।
- भारतीय रसायन उद्योग का वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ बेहतर एकीकरण होगा। निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी।
- पर्यावरण-अनुकूल औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से सतत एवं टिकाऊ औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

कैबिनेट के फैसलों पर प्रेस ब्रीफिंग देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

**निर्णय : प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने को मंजूरी।**

**प्रभाव :** पीएम-किसान योजना के तहत दी गई सहायता से किसानों को बीज, उर्वरक, सिंचाई, कृषि मशीनरी और अन्य कृषि आवश्यकताओं में समय पर निवेश करने में मदद मिलती है। इससे किसानों की उत्पादन क्षमता बढ़ी है, अनौपचारिक लोन पर उनकी निर्भरता कम हुई है। ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिरता मजबूत हुई है।

- कुल 3.15 लाख करोड़ रु. का वित्तीय आवंटन स्वीकृत।
- योजना के तहत, पात्र भूमिधारक किसान परिवारों को प्रति वर्ष 6,000 रुपये की वित्तीय सहायता 3 समान किस्तों में उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जाती है।
- अब तक 23 किस्तों में किसानों के बैंक खातों में सीधे 4.47 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित।

कैबिनेट के फैसलों पर प्रेस ब्रीफिंग देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

**निर्णय : संशोधित खेलो इंडिया योजना और राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के लिए अधिक सहायता को मंजूरी।**

**प्रभाव :** 2026-27 से 2030-31 की अवधि के लिए 36,441 करोड़ रुपये का बजट आवंटन। स्वीकृत आवंटन पिछली खेलो इंडिया योजना की तुलना में लगभग आठ गुना है।

- यह पहल खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगी। इसके तहत राष्ट्रीय खेल संघों को मिलने वाली मदद बढ़ाई जाएगी।
- क्षमता निर्माण के लिए फंडिंग की व्यवस्था और विदेशी विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी ताकि खिलाड़ी दुनिया में अपना लोहा मनवा सकें।

**निर्णय : कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के बल्लारी-गुंटकल रेलखंड पर तीसरी और चौथी रेल लाइन बिछाने की परियोजना को मंजूरी।**

**प्रभाव :** परियोजना की अनुमानित लागत 1,264 करोड़ रुपये है। परियोजना वर्ष 2028-29 तक पूरा करने का लक्ष्य है। लाइन क्षमता बढ़ने से रेल परिचालन अधिक सुचारु होगा। भारतीय रेल परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में उल्लेखनीय सुधार होगा। मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना रेल संचालन को अधिक व्यवस्थित बनाने और भीड़भाड़ कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

- रेल नेटवर्क में लगभग 46 किलोमीटर की वृद्धि होगी।
- प्रतिवर्ष 1.6 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई क्षमता उपलब्ध कराएगी। लॉजिस्टिक्स लागत में हर वर्ष लगभग 149 करोड़ रुपये की बचत होगी।
- लगभग 99 गांवों की रेल संपर्क सुविधा बेहतर होगी जिससे सात लाख लोग लाभान्वित होंगे।
- रेल मार्ग क्षमता बढ़ने से बल्लारी किला, श्री कुमार स्वामी मंदिर सहित देश के अनेक प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क बेहतर बनेगा।
- सालाना लगभग 1.32 करोड़ लीटर तेल की बचत होगी। प्रोजेक्ट से 6.67 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी, जो लगभग 0.27 करोड़ वृक्षारोपण के बराबर है।

**निर्णय : ऊर्जा भंडारण प्रणाली सहित फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टिक परियोजनाओं के विकास की योजना 'प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना (पीएम-एसएसवाई)' को मंजूरी।**

**प्रभाव :** इस योजना के अंतर्गत 5,000 मेगावाट के फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टाइक प्रोजेक्ट विकसित किए जाएंगे।

- यह स्कीम नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में योगदान देगी, राष्ट्रीय ऊर्जा और जलवायु उद्देश्यों की प्राप्ति में सहयोग करेगी।
- विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ाते हुए जल संसाधनों के इष्टतम उपयोग को सुगम बनाएगी।
- योजना से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लाभ होगा और बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होंगे। कुल बजट आवंटन 5,070 करोड़ रुपये।

**निर्णय : 'समुद्र मंथन'- राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना को मंजूरी।**

**प्रभाव :** 'समुद्र मंथन' एक ऐसी परिवर्तनकारी राष्ट्रीय पहल है जो देश के अपतटीय ऊर्जा संसाधनों का लाभ उठाएगी। दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करेगी, तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाएगी और अर्थव्यवस्था व भावी पीढ़ियों के लिए स्थायी मूल्य का निर्माण करेगी।

- इस योजना से अपतटीय अन्वेषण की गतिविधियों में काफी वृद्धि होगी। घरेलू तेल एवं गैस के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन होगा।
- साथ ही 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत घरेलू मैन्युफैक्चरिंग सुदृढ़ होगी।
- योजना के लिए वित्त वर्ष 2030-31 तक 84,084 करोड़ रुपये की राशि मंजूर।

*देशभर के अपने किसान भाई-बहनों के सशक्तीकरण और समृद्धि के लिए हम संकल्पित हैं। इसी दिशा में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को 2030-31 तक बढ़ाने को मंजूरी दी गई है। इससे न केवल अन्नदाताओं को बीज, खाद और खेती से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलती है, बल्कि उनकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर हो रही है।* **- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

## जन-धन योजना

# जन-केंद्रित आर्थिक पहल समावेशी विकास की नींव

*बीते 12 वर्षों में किसी योजना ने देश के विकास की सोच और दिशा को बदलकर आर्थिक क्रांति का सूत्रपात किया है तो वह है- 12 वर्ष पहले 28 अगस्त 2014 को शुरू हुई प्रधानमंत्री जन-धन योजना। यह जन-गण-मन को सशक्त करने की सोच से बनी ऐसी योजना है जहां देश का आर्थिक संसाधन गरीब के काम आए। आर्थिक-सामाजिक-तकनीकी सशक्तीकरण की दिशा में जन-धन योजना का बीज बन चुका है वटवृक्ष, जिसने बहुस्तरीय प्रभाव और परिवर्तन के साथ छोड़ी है गहरी छाप...*

**1**

*छत्तीसगढ़ के जिला जशपुर की निवासी लीला बाई पोर्ते के परिवार में छह सदस्य थे। कृषि मजदूरी से परिवार का गुजारा चलता था। 2015 की बात है, गांव करमीटिकरा से बैंक की दूरी 7 किलोमीटर थी, कोई बैंक खाता नहीं था। एक बैंक मित्र ने गांव में आकर अपनी छोटी सी मशीन से खाता खोल दिया। बाद में जीवन ज्योति बीमा का फॉर्म भर दिया। पति की लू लगने से उसी साल मौत हो गई। वह असहाय महसूस कर रही थीं। मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान थीं। बैंक मित्र अधिकारी को इसकी सूचना दी गई तो उन्होंने सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत बीमा की जानकारी दी। घर आकर फॉर्म भरवाया और कार्यालय को भेज दिया, जिससे 2 लाख रुपये खाते में आ गए। संकट की घड़ी में आर्थिक मदद के साथ जीने का सहारा मिला।*

**2**

*मध्य प्रदेश के ग्वालियर के पनिहार गांव के निवासी गजेंद्र सिंह ने अगस्त, 2014 में प्रधानमंत्री जन-धन योजना में खाता खुलवाया। उससे पहले इनके पास बैंक खाता और बैंकिंग सिस्टम की जानकारी नहीं थी। वह सीमांत किसान हैं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की बरई शाखा में खाता खोलने के बाद गजेंद्र सिंह ने इसका इस्तेमाल शुरू किया। आसपास के गांव में भी जन-धन खाते के फायदे को लेकर जागरुकता फैलाई। वित्तीय समावेशन को लेकर उनकी जानकारी भी बढ़ी है।*

आत्मसंतुष्टि, आत्मसम्मान और आत्मिक गौरव की अनुभूति लिए प्रधानमंत्री जन-धन योजना के लाभार्थियों की ऐसी सफलता की कहानियां केवल एक बैंक खाता खुलने तक सीमित नहीं है। बीते 12 वर्षों में ही सामाजिक-आर्थिक परिवेश में परिवर्तनकारी युग की साक्षी बन गई है। किसी भी समाज में क्रांतिकारी बदलाव का वाहक सुदृढ़ अर्थव्यवस्था होती है और उस अर्थव्यवस्था की आर्थिक सुरक्षा का सबसे पहला आधार बैंक खाता होता है। जन-धन योजना का प्रभाव केवल बैंक खाता खोलने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि 12 वर्षों की यात्रा में यह कई स्तरों पर गहरा और स्थायी परिवर्तन का परिचायक बन गया है। इसने सामाजिक, आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक क्षेत्रों में भारत की छवि बदल दी है।

15 अगस्त 2014 को एक ऐसी योजना की घोषणा की गई, जिसका मकसद गरीबों और बैंक-सुविधाओं से वंचित लोगों को बैंकिंग और वित्तीय मदद से जोड़कर उन्हें गरीबी के चक्र से बाहर निकालना था। इस योजना को घोषणा के महज 15 दिनों के भीतर लागू भी कर दिया गया। जनकेंद्रित आर्थिक पहल की आधारशिला बनी इस योजना में 'हर घर' से एक कदम आगे बढ़ाते हुए 'हर वयस्क' का खाता हो, यह सुनिश्चित हुआ है। एक छोटा सा प्रयास-जन-धन अकाउंट गरीब को जब मिला तो उसका स्वाभिमान जग गया। लाखों-करोड़ों रुपये की बचत में गरीब भी आगे आया है।

वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार की कमान संभाली, तब देश

# प्रधानमंत्री जन-धन योजना एक नजर

**कुल जन-धन खाते**
(8 जुलाई 2026 तक)
**58.70** करोड़

**ग्रामीण व अर्ध-शहरी खातों की हिस्सेदारी**
लगभग **78%**

**जारी रुपे कार्ड**
लगभग **41** करोड़

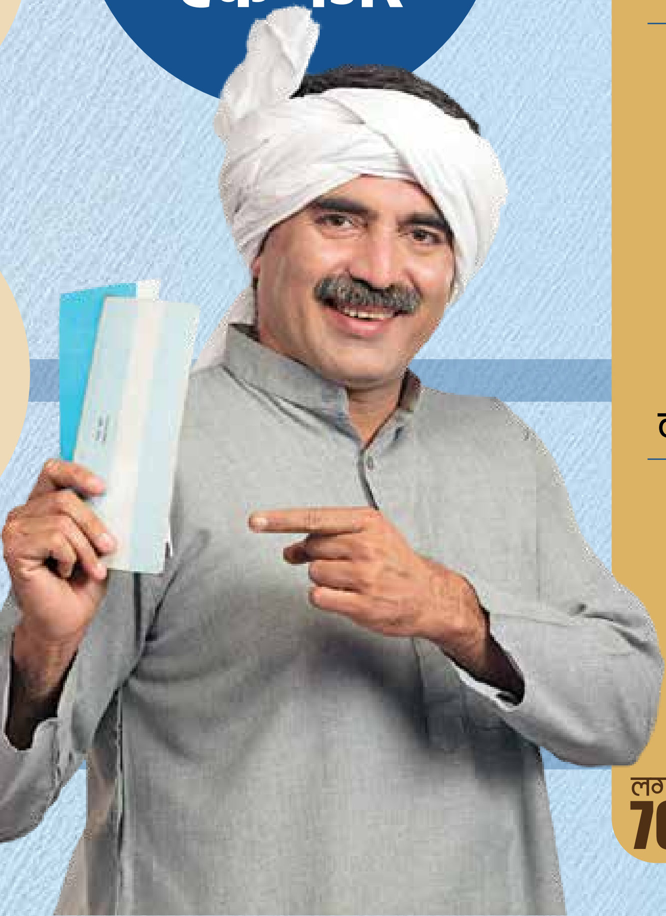

**महिला खाताधारकों की हिस्सेदारी**
लगभग **56%**

**कुल जमा राशि**
लगभग **3.10** लाख करोड़ रुपये

**जीरो बैलेंस खातों में गिरावट**
लगभग 70% (2015)
लगभग 8% (2026)

की व्यवस्था का उन्होंने बारीकी से अध्ययन किया। सुशासन के अपने पूर्व के अनुभव का प्रयोग करते हुए दीर्घकालिक सोच के साथ देश के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाने और उनकी आर्थिक सुरक्षा का चक्र तैयार करने के लिए सुनियोजित तरीके से कदम आगे बढ़ाया। इसमें प्रधानमंत्री जन-धन योजना सभी पहल का आधार बनी। बैंकों को गरीबों के द्वार पर भेजने की अनूठी पहल की। देश की जनता का पैसा, उसके हक का पैसा उसे मिलना चाहिए। इस दिशा में एक व्यापक सोच के साथ केंद्र सरकार ने जन-धन खातों, आधार और मोबाइल की ऐसी त्रिशक्ति बनाई कि गरीबों का पैसा लूटना बंद हो गया। अब घर बनाने का पैसा हो या गैस सब्सिडी का, मनरेगा का पैसा हो या किसान सम्मान निधि का, सब सीधे खाते में पहुंचने लगा। यानी सबको सीधा लाभ, कोई भेदभाव नहीं। फिर उन्हें मजबूत करने के लिए स्टैंडअप, स्टार्टअप और मुद्रा जैसी योजनाओं से जोड़ने का तंत्र तैयार किया। यानी आर्थिक-सामाजिक सुरक्षा का चक्र प्रदान करते हुए उद्यमिता की ओर ले जाने वाली सभी योजनाओं का आधार प्रधानमंत्री जन-धन योजना बन गई है।

एक समय था जब देश में एक माइंडसेट था कि गरीब बैंक खाते का क्या करेगा? आजादी के 68 वर्ष तक 68 प्रतिशत आबादी बैंकिंग प्रणाली से दूर थी। 1969 में बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बाद भी 2014 तक यह स्थिति थी कि देश में

# पीएमजेडीवाई
## खातों की विशेषताएं और नि:शुल्क सुविधाएं

- पीएमजेडीवाई योजना के खाते बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट यानी बीएसबीडी खाते हैं। पूरी तरह से केवाईसी अनुपालन वाले पीएमजेडीवाई खातों में शेष राशि या लेनदेन की राशि पर कोई प्रतिबंध नहीं है।
- बैंक शाखा के साथ-साथ एटीएम/सीडीएम में नकदी जमा करना।
- किसी भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से या केंद्र/राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए चेक के जमा/संग्रह के माध्यम से धन की प्राप्ति/क्रेडिट।
- एक महीने में जमा की जा सकने वाली राशि और उसके मूल्य पर कोई सीमा नहीं है।
- एक महीने में कम से कम चार बार मुफ्त निकासी की जा सकती है, जिसमें मेट्रो एटीएम सहित किसी भी एटीएम से निकासी शामिल है।
- 2 लाख रुपये के अंतर्निहित दुर्घटना बीमा कवरेज के साथ मुफ्त RuPay डेबिट कार्ड।

> *मैं उन सभी लोगों के अथक प्रयासों की सराहना करता हूं, जिन्होंने पीएम जन धन को सफल बनाने के लिए काम किया है। उनके प्रयासों ने भारतीयों के जीवन को ज्यादा गुणवत्तापूर्ण बनाना सुनिश्चित किया है।*
>
> **-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

50 करोड़ से अधिक गरीब लोग ऐसे थे, जिनका बैंक अकाउंट तक नहीं था। इस वर्ग ने कभी बैंकों के दरवाजे तक जाने की हिम्मत नहीं की, उसके लिए बैंक अकाउंट होना भी अमीरों की चीज थी। लेकिन अगस्त 2014 के बाद जब उसने देखा कि बैंक खुद उसके दरवाजे तक आ रहे हैं, तो उसमें विश्वास और स्वाभिमान जगा, उसके मन में एक नया बीज पनपा। आज वो बड़े गर्व से अपनी जेब में से रुपे कार्ड निकालता है। जबकि एक दौर ऐसा था कि रुपे कार्ड (डेबिट कार्ड) केवल अमीरों के लिए स्टेट्स का विषय था लेकिन केंद्र सरकार ने जन-धन खातों के जरिए उस मानसिक सोच को तोड़ दिया। जन-धन के बीज ने वटवृक्ष बनकर ऐसे कितने ही फल दिए हैं।

### जन-धन की नींव
### पंच स्तरीय प्रभाव का बना आधार

जन-धन योजना में आज 58 करोड़ से अधिक बैंक खाते हैं। इस योजना ने न केवल सभी तक बैंकिंग पहुंच सुनिश्चित की है, बल्कि समावेशी विकास का आधार बना दिया है। इसका पहला प्रभाव यह हुआ कि आज देश के लगभग सभी परिवार व नागरिक बैंकिंग प्रणाली का हिस्सा बन चुके हैं। यह केवल बैंक खाता नहीं, बल्कि सुनियोजित तरीके से एक सुरक्षा चक्र बन गया है।

# 1 प्रभाव जन केंद्रित आर्थिक पहलों की आधारशिला

**1**

**देश के हर परिवार को कम-से-कम एक बुनियादी बचत बैंक खाता उपलब्ध कराकर बैंकिंग युक्त भारत की नींव रखी गई।**

**89%+** से अधिक हैं देश में बैंक खाता रखने वाले वयस्कों की हिस्सेदारी, विश्व बैंक की ग्लोबल फिनडेक्स 2025 रिपोर्ट के अनुसार।

**35%** वयस्कों के पास ही थे 2011 में बैंक खाते।

**2**

**शून्य शेष राशि (जीरो बैलेंस) पर खाता खोलने की सुविधा, जिससे गरीब से गरीब नागरिक भी औपचारिक बैंकिंग से जुड़ सका।**

अब शून्य बैलेंस खातों की संख्या **10%** से भी कम रह गई है

**3**

**डेबिट कार्ड अब सिर्फ स्टेटस सिंबल नहीं, ऑनलाइन भुगतान भी बढ़ा**

**40.89** करोड़

रुपे डेबिट कार्ड खाता धारकों को निःशुल्क जारी, जिसने डिजिटल भुगतान की आदत को जन-जन तक पहुंचाया।

**4**

**दुर्घटना बीमा कवर तथा ओवरड्राफ्ट सुविधा ने खाताधारकों को अतिरिक्त आर्थिक सुरक्षा प्रदान की।**

**34.77** लाख

पीएमजेडीवाई खाता धारकों ने ओवरड्राफ्ट सुविधा का लाभ उठाया, 10 हजार रुपये तक है सशर्त ओवरड्राफ्ट की सुविधा।

5

**बैंकिंग मित्र और बैंक नेटवर्क के विस्तार ने अंतिम छोर तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाई। ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में बैंकिंग की पहुंच सुनिश्चित हुई।**

**13.55** लाख

बैंकिंग मित्र (बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट) दे रहे हैं शाखा रहित सेवाएं।

**45.68** करोड़

खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए, यह कुल खातों में लगभग 78% की हिस्सेदारी रखता है।

6

**बचत संस्कृति और वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित हुआ।**

**3.10** लाख करोड़ रुपये

जन-धन खातों में जमा हैं, जबकि बैलेंस रखने की अनिवार्यता नहीं।

> *जब अंतिम व्यक्ति आर्थिक रूप से जुड़ा होता है, तो पूरा देश एक साथ आगे बढ़ता है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने यही हासिल किया। इसने लोगों की गरिमा बढ़ाई और उन्हें अपना भाग्य खुद लिखने की शक्ति दी।*
>
> **-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

दूसरा प्रभाव यह हुआ कि जन-धन-आधार-मोबाइल (जैम ट्रिनिटी) की त्रिशक्ति ने सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में पहुंचाना सुनिश्चित किया। इससे भ्रष्टाचार और लीकेज पर रोक लगी। बिचौलियों की भूमिका खत्म हुई और सामाजिक-आर्थिक सरोकार से जुड़ी योजनाओं का सीधा लाभ अंतिम व्यक्ति को मिलने लगा। इसने अर्थव्यवस्था को एक औपचारिक स्वरूप दिया और नकदी लेनदेन को बैंकिंग प्रणाली में लाया गया। आज जन-धन योजना के कारण सीधे बैंक खातों में लाभ की योजनाओं की राशि का पहुंचना, पक्के मकान देना, उज्ज्वला के तहत मुफ्त गैस सिलेंडर, मुद्रा योजना के तहत बिना गारंटी के लोन की सुविधा, पीएम स्वामित्व हो या अन्य सामाजिक सरोकार से जुड़ी योजनाएं, गरीबों का आत्मविश्वास बढ़ा दिया है।

तीसरा प्रभाव यह पड़ा कि आम नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हुई और समावेशी विकास के नए युग का आरंभ हुआ। जन-धन खाते के कारण ही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा

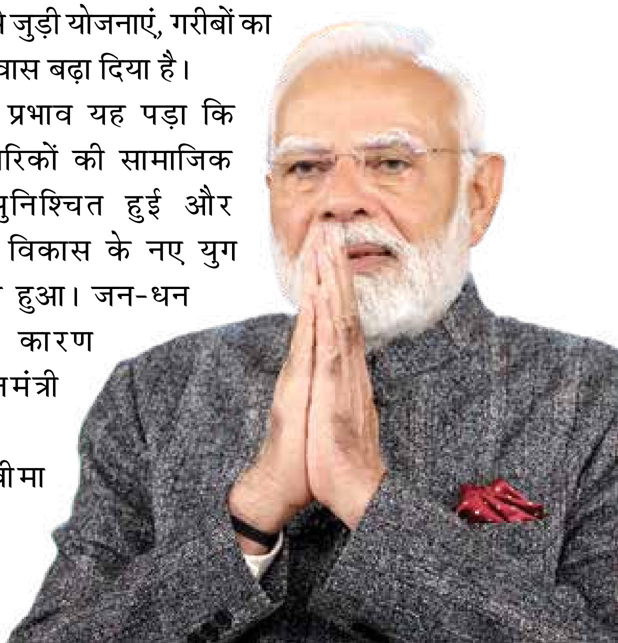

# 2 प्रभाव: प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) और शासन में पारदर्शिता

**1**

**जन-धन-आधार-मोबाइल (जैम ट्रिनिटी) की त्रिशक्ति ने सरकारी योजनाओं की सब्सिडी और लाभ सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचाना संभव बनाया।**

**52.50** लाख करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी जन धन, आधार और मोबाइल (त्रिशक्ति) ट्रिनिटी का उपयोग करते हुए सीधे नागरिकों को हस्तांतरित किए गए।

**900+** योजनाओं के लाभार्थियों को राशि की जाती है डीबीटी।

**2**

**बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई, जिससे भ्रष्टाचार और लीकेज में उल्लेखनीय कमी आई।**

डीबीटी की वजह से सामाजिक सुरक्षा लाभार्थियों का कवरेज बढ़ा है।

**3**

**सरकारी खजाने में करोड़ों रुपये की बचत हुई, जो अब वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंच रही है।**

**₹ 5+** लाख करोड़ की बचत डीबीटी से सरकार को हुई। डुप्लीकेट, फर्जी गैस कनेक्शन, राशन कार्ड हटाने से डुप्लीकेसी खत्म हुई।

- डीबीटी से सब्सिडी आवंटन कुल सरकारी व्यय के 16 प्रतिशत से घटकर 9 प्रतिशत रह गया है, जो सार्वजनिक व्यय की दक्षता में एक बड़ा सुधार है।

**4**

**पीएम किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, कोविड राहत सहायता जैसी योजनाओं का लाभ सीधे और समय पर पात्र नागरिकों तक पहुंचा।**

**₹ 4.46** लाख करोड़ से अधिक की राशि किसानों को 23 किस्तों में वितरित की जा चुकी है।

**9.44** करोड़ से अधिक किसानों को सहायता जिसमें 23% महिला लाभार्थी।

- 2,000 रुपये की पीएम किसान की पहली किस्त अप्रैल, 2020 में दी गई, 8.7 करोड़ किसानों को लाभ मिला।
- लगभग 11 करोड़ एलपीजी कनेक्शन उज्ज्वला योजना में दिए गए, सब्सिडी भी सीधे खाते में आती है।
- 3 करोड़ विधवा और दिव्यांगों को कोविड-19 के दौरान 1,000 रुपये प्रति लाभार्थी सहायता दी गई।

5

**ऊंची ब्याज दर वसूलने वाले स्थानीय साहूकारों पर निर्भरता में कमी, कर्ज चक्र तोड़ने में मदद मिली।**

- गरीब-वंचित पीएमजेडीवाई से बैंक से जुड़े, खाता खुला तो ओवरड्राफ्ट की सुविधा और लोन मिलने लगा।
- लगभग 84 लाख स्ट्रीट वेंडर को पीएम स्वनिधि योजना में बिना गारंटी 17,000+ करोड़ रुपये के लोन मार्च, 2026 तक मिले।

6

**अर्थव्यवस्था का औपचारिकीकरण**

- नकदी-आधारित अनौपचारिक लेनदेन को बैंकिंग प्रणाली के दायरे में लाया गया।
- जीरो बैलेंस जन-धन खातों के खुलने से बिना खाता धारक जो घरों में अपना पैसा रखते थे, वो बैंकों में जमा होने लगा।
- नगद लेन-देन में सूदखोर गलत फायदा उठाते थे, अब ऑनलाइन भुगतान से रिकॉर्ड रखना आसान हुआ।

7

**वित्तीय डेटा ट्रेल गरीब नागरिकों की क्रेडिट स्कोरिंग और भविष्य में लोन पात्रता में सहायक सिद्ध हो रहा है।**

- गरीब व अनौपचारिक सेक्टर में काम करने वालों का क्रेडिट स्कोर नहीं बनता था जिससे बैंक लोन नहीं देते थे, अब जन-धन ने राह आसान की।
- लोन सुविधा बढ़ने से गरीब-वंचित के रहन-सहन में भी सुधार हुआ, बच्चों को शिक्षा लोन लेकर भी पढ़ा रहे हैं।

> जन-धन योजना वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और करोड़ों लोगों, विशेषकर महिलाओं, युवाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सम्मान देने में सर्वोपरि रही है।
>
> **-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा योजना से लोग जुड़े। जब प्रधानमंत्री जन-धन योजना शुरू की गई तब कई लोगों को लग रहा था कि क्या होगा, कैसे होगा? लेकिन इसमें गरीबों के लिए एक के बाद एक योजनाएं जुड़ती गईं। यह आर्थिक-सामाजिक सशक्तीकरण की नींव थी, जिसे और विस्तार दिया जा रहा है। इस देश में कुछ लोगों को सरकारी पेंशन मिलती है, करीब 35 लाख लोगों को पहले कितनी पेंशन मिलती थी? किसी को सात रुपये, किसी को 20 रुपये, किसी को सवा सौ, किसी को ढाई सौ। उसमें भी पेंशन लेने के लिए मीलों सफर कर जाना पड़ता था लेकिन अब डीबीटी ने यह काम आसान बना दिया है। असंगठित क्षेत्र के करोड़ों श्रमिकों और उनके परिवारों को पहली बार जीवन और दुर्घटना बीमा सुरक्षा मिली है। इतना ही नहीं, मुद्रा योजना

# 3 प्रभाव सामाजिक सुरक्षा और समावेशी विकास

**1**

**जन-धन खातों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा गया।**

**27.8+ करोड़**

**प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना** में नामांकन

- किसी भी कारण से मृत्यु के लिए 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर का प्रावधान।
- वार्षिक प्रीमियम 436 रुपये है। 1.20 रुपये से भी कम दैनिक खर्च पर बीमा मिल रहा है।

**58.78 करोड़**

नामांकन **प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना** में

- मृत्यु या स्थायी पूर्ण निशक्तता में 2 लाख रुपये और स्थायी आंशिक निशक्तता में 1 लाख रुपये का एक वर्ष का दुर्घटना बीमा कवर।
- 20 रुपये का वार्षिक प्रीमियम (करीब-करीब एक चाय का खर्च), योजना 18 से 70 वर्ष के लोगों के लिए।

**9.29 करोड़**

ग्राहकों का नामांकन **अटल पेंशन योजना** में

- यह पहली ऐसी पेंशन योजना है जिसमें सरकार गारंटी देती है। मासिक 1,000 रु. से 5,000 रु. की पेंशन गारंटी।
- उम्र और पेंशन राशि के आधार पर वर्तमान में प्रति माह 42 रु. से 1,454 रु. का भुगतान करना होता है।

**2**

**मुद्रा योजना के तहत लोन सुविधा ने छोटे उद्यमियों, विशेषकर महिलाओं और ग्रामीण नागरिकों के लिए स्वरोजगार के द्वार खोले।**

**59+**

करोड़ लोन प्रधानमंत्री मुद्रा योजना में दिए गए।

**40.76**

लाख करोड़ रुपये की राशि उद्यमियों को दी गई।

3

**बचत की आदत विकसित होने से वित्तीय अनुशासन और भविष्य की योजना बनाने की क्षमता में वृद्धि हुई।**

लगभग 3.10 लाख करोड़ रुपये जमा हैं 58.70 करोड़ जन-धन खातों में, जबकि इन खातों में न्यूनतम शेष राशि की कोई अनिवार्यता नहीं है।

4

**असंगठित क्षेत्र के करोड़ों श्रमिकों और उनके परिवारों को पहली बार जीवन और दुर्घटना बीमा सुरक्षा मिली।**

- **31.65** करोड़ से अधिक पंजीकरण ई-श्रम पोर्टल पर असंगठित क्षेत्र के मजदूरों ने कराया है। एक ही पोर्टल पर कई सामाजिक-आर्थिक योजनाओं का लाभ मिलता है।

- पीएमजेडीवाई खाता धारकों को सामाजिक सुरक्षा की बीमा योजना-प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री बीमा सुरक्षा योजना और अटल पेंशन योजना में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करने के साथ अंशदान का विकल्प दिया जाता है।

> *"जन धन योजना ने वित्तीय समावेशन और गरिमापूर्ण जीवन के साथ अनगिनत भारतीयों का सशक्तीकरण सुनिश्चित किया है। इससे पारदर्शिता बढ़ाने में भी सहायता मिली है।"*
>
> **-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

हो या अन्य योजना, इस बैंक खाते से स्वरोजगार के नए द्वार खुले हैं।

चौथा प्रभाव यह पड़ा कि देश की आधी आबादी यानी नारी शक्ति का सही अर्थों में सशक्तीकरण हुआ। उन्हें पहली बार सामाजिक-आर्थिक गरिमा मिली। आज जन-धन खातों में 56 प्रतिशत से अधिक भागीदारी महिलाओं की हैं। महिलाओं के नाम पर बैंक खाते होने से परिवार के आर्थिक निर्णयों में उन्हें भागीदारी और आत्मनिर्भरता का अवसर मिला है। बचत की सोच और प्रवृत्ति को बैंकिंग आधार मिल गया है। बैंकों के माध्यम

# 4 प्रभाव महिला सशक्तीकरण और सामाजिक गरिमा

**1** जन-धन खातों में लगभग 56% हिस्सेदारी महिलाओं की है, जो महिला आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

**2** अपने नाम पर बैंक खाता होने से महिलाओं को परिवार के आर्थिक निर्णयों में भागीदारी और आत्मनिर्भरता का अवसर मिला।

**32.72 करोड़**

महिलाओं के जन-धन खाते खोले गए हैं, अब अपनी बचत बैंक में रख सकती हैं।

**75%**

घर पीएम आवास योजना-ग्रामीण में महिला या संयुक्त स्वामित्व में स्वीकृत किए गए हैं। इसके साथ ही कई अन्य योजनाओं में महिलाओं को प्राथमिकता दी जा रही है जिससे उनके खातों में सहायता राशि या सब्सिडी आती है।

**3** प्रत्यक्ष लाभ अंतरण की योजनाओं ने महिलाओं को सीधे अपने खाते में सहायता राशि प्राप्त करने में सक्षम बनाया, जिससे उनकी सामाजिक गरिमा भी बढ़ी।

## महिला लाभार्थी

**68%** पीएम मुद्रा लोन योजना में

**44%** पीएम स्वनिधि योजना में

**10+ करोड़**

महिला ग्रामीण परिवार स्वयं सहायता समूहों से जुड़े हैं, जिन्हें सरकार से सहायता भी मिलती है।

सुकन्या समृद्धि योजना के खाते में जमा राशि से बढ़ा सशक्तीकरण।

4

**कोविड-19 महामारी के दौरान महिला खाताधारकों को तत्काल एक्स-ग्रेशिया राहत राशि का हस्तांतरण संभव हुआ।**

**30,600** करोड़ रुपये

की सहायता दी गई कोविड-19 के दौरान 20.40 करोड़ पीएमजेडीवाई खाता धारक महिलाओं को मासिक 500 रुपये लगातार तीन किस्तों में।

**14.17+** करोड़

एलपीजी सिलेंडर कोविड-19 के दौरान लगभग 8 करोड़ प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना लाभार्थियों को दिए गए। इसकी सब्सिडी के तौर पर 9,670 करोड़ रुपये लाभार्थियों को डीबीटी किए गए।

5

**बाढ़, सूखे जैसी अन्य आपदाओं में भी आपातकालीन नकद हस्तांतरण के लिए एक तैयार माध्यम बन गया।**

*जन-धन योजना, हमारे नागरिकों को सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। इस पहल के माध्यम से, हम अपनी विकसित होती अर्थव्यवस्था में प्रत्येक भारतीय के लिए उचित स्थान सुनिश्चित करते हुए लाखों लोगों को वित्तीय मुख्यधारा में लेकर आए हैं।*

**-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

से बचत करने से एक विशेष सुरक्षा का भाव पैदा हुआ है। इतना ही नहीं, कोविड महामारी के समय भी केंद्र सरकार ने जो सहायता राशि महिलाओं के खाते में भेजी, वह जन-धन खाते के कारण ही संभव हो सका। अगर जन-धन खाते नहीं होते, तो कोविड के समय सहायता राशि भेजना कितना मुश्किल होता, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। यानी किसी आपदा या संकट में अगर कोई सहायता पहुंचानी है, तब जन-धन खाते एक महत्वपूर्ण आधार बन गए हैं।

पांचवा और महत्वपूर्ण प्रभाव यह पड़ा कि सुदूर गांव तक की आबादी तकनीकी रूप से सशक्त हुई है। इन बैंक खातों के कारण ही डिजिटल यूपीआई भुगतान एक क्रांति बन गई है। रुपे कार्ड और मोबाइल बैंकिंग से ग्रामीण क्षेत्रों में भी डिजिटल साक्षरता बढ़ी है। भारत का यूपीआई आज एक वैश्विक पहचान वाला प्लेटफॉर्म बन चुका है।

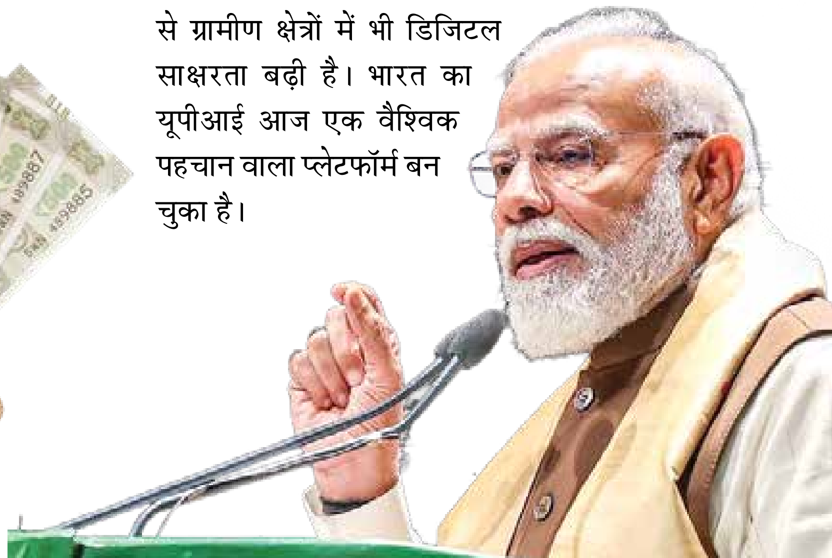

# 5 प्रभाव डिजिटल भारत और तकनीकी सशक्तीकरण

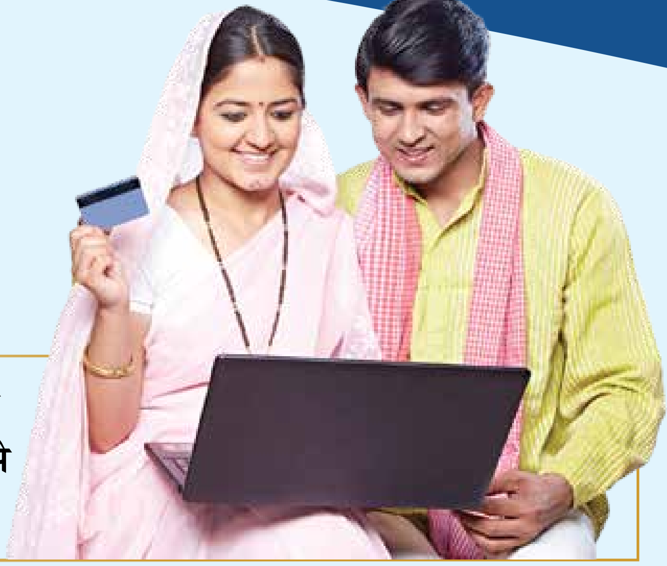

**1** **जन-धन खातों ने यूपीआई जैसी डिजिटल भुगतान क्रांति की बुनियाद तैयार की, जिससे भारत आज विश्व में सबसे अधिक डिजिटल लेनदेन करने वाला देश बन चुका है।**

**55.49** **करोड़** उपयोगकर्ता हैं यूपीआई के।

**314+** **लाख करोड़ रुपये** का लेनदेन यूपीआई से 2025-26 में हुआ।

**10** देश (भूटान, सिंगापुर, यूएई, फ्रांस, मॉरीशस, श्रीलंका, नेपाल, कतर, ग्रीस, कंबोडिया) यूपीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं।

**2** **रुपे कार्ड और मोबाइल बैंकिंग से ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में भी डिजिटल साक्षरता का प्रसार हुआ।**

RuPay

**40.89** **करोड़** रुपे डेबिड कार्ड जन-धन खाता धारकों को जारी किए जा चुके हैं।

**6.39** **करोड़** लोगों को प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान में प्रशिक्षित किया गया।

**3** **जन-धन दर्शक एप के अनुसार मैप किए गए 5 किलोमीटर के भीतर बैंकिंग आउटलेट से कवर किया गया है।**

**21.6** लाख से अधिक बैंकिंग टचपॉइंट है देश में।

**6** **लाख से अधिक यानी 99.92%** गांव तक पहुंची 5 किमी के दायरे में बैंकिंग सुविधा (बैंक शाखा, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक या बैंक मित्र)।

# राष्ट्रीय एवं वैश्विक पहचान

**1**

**विश्व बैंक तथा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा इसे विश्व के सबसे बड़े वित्तीय समावेशन अभियान के रूप में मान्यता मिली है।**

**18,096,130**

खाते 23 से 29 अगस्त, 2014 के अभियान में एक सप्ताह में जन-धन योजना के तहत खोले गए थे। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने भी इसे जगह दी थी।

GUINNESS WORLD RECORDS

CERTIFICATE

The most bank accounts opened in 1 week as a part of financial inclusion campaign is 18,096,130 and was achieved by Department of Financial Services, Government of India (India) from 23 to 29 August 2014

OFFICIALLY AMAZING

**2**

**यह योजना अन्य विकासशील देशों के लिए समावेशी वित्तीय मॉडल के उदाहरण के रूप में उभरा।**

*प्रधानमंत्री जन धन योजना एक गेम चेंजर सिद्ध हुई। यह अनेक निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रमों का आधार बनी। जिसका लाभ करोड़ों लोगों को मिला। जन धन योजना के कारण अनेक परिवारों का भविष्य सुरक्षित हुआ है। इस योजना के लाभार्थियों में बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के लोग और महिलाएं हैं।*

**-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

जन-धन योजना बहुस्तरीय प्रभाव का महत्वपूर्ण आधार बनी है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष हो या अन्य वैश्विक संस्थाएं, सबने इस योजना की प्रशंसा में कहा है कि जन-धन ने बैंक खातों और वित्तीय सेवाओं तक पहुंच को व्यापक बनाया है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी इस योजना को विशेष पहचान मिली है। दुनिया के सबसे बड़े वित्तीय समावेशन की पहल का आधार बनी जन-धन योजना आज कई विकासशील देश के लिए उदाहरण है।

## एक जनआंदोलन जो बना जीवनरेखा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 12 वर्षों की इस यात्रा में जन-धन योजना केवल एक वित्तीय योजना नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, पारदर्शी शासन और समावेशी विकास का प्रतीक बन चुकी है। बैंकिंग रहित भारत से बैंकिंग युक्त भारत तक की यह यात्रा करोड़ों नागरिकों के लिए सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का मार्ग बन गया है।

निश्चित रूप से जन-धन योजना की सफलता और पंच स्तरीय प्रभाव के कारण ही सुशासन से स्वावलंबन, नए भारत का संस्कार बनकर विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। ■

पीएम मोदी का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

जींद से लगभग 14,700 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात

# रेल परिवहन का भविष्य... हाइड्रोजन ट्रेन

*भारत ने पर्यावरण अनुकूल गतिशीलता (मोबिलिटी) की दिशा में जबरदस्त प्रगति की है। विश्व में 1,155 किलोमीटर के साथ तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क हो या फिर 23 हजार इलेक्ट्रिक बसें उतारने की मंजूरी या ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का बढ़ता नेटवर्क, हरित इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जुलाई को हरियाणा में जींद और सोनीपत के बीच भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह सिर्फ एक ट्रेन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत, हरित ऊर्जा और आधुनिक रेलवे की है नई पहचान...*

रेल हो या रोड हो, कनेक्टिविटी का कोई भी काम जहां एक ओर सुविधा प्रदान करता है वहीं विकास की गति के भी कई गुना बढ़ा देता है। यही कारण है कि सरकार परिवहन और कनेक्टिविटी की दिशा में निरंतर ध्यान दे रही है। हरियाणा के जींद में देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाने और कई विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह हाइड्रोजन ट्रेन, बाकी ट्रेनों से बिल्कुल अलग है। इसके लिए जींद में पूरा सिस्टम और इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है। आने वाले समय में यहां हाइड्रोजन ट्रेन से जुड़ा और भी इंफ्रास्ट्रक्चर बनेगा, नई-नई फैक्ट्री लगेंगी जो हाइड्रोजन ट्रेन नेटवर्क की जरूरतों को पूरा करेंगी। यानी इस ट्रेन से, हरियाणा के नौजवानों

> “ भारत की हाइड्रोजन ट्रेन धुआं रहित तो है ही, यह मेक इन इंडिया का भी एक बहुत सफल उदहारण है। इस हाइड्रोजन ट्रेन को भारत के ही इंजीनियर्स ने डिजाइन किया है, भारत की ही कंपनी ने इसको बनाया है।
>
> **- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

## सबसे ताकतवर हाइड्रोजन ट्रेन

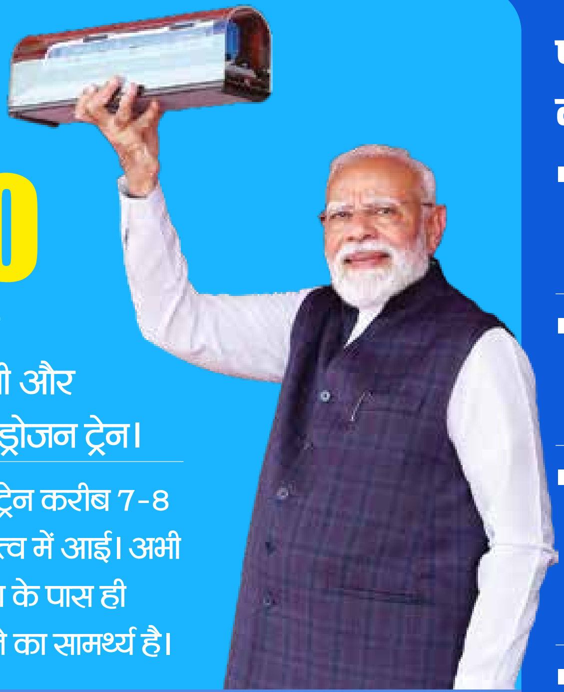

# 3,200

हॉर्स पावर की है यह दुनिया की सबसे लंबी और सबसे ताकतवर हाइड्रोजन ट्रेन।

- दुनिया में हाइड्रोजन ट्रेन करीब 7-8 साल पहले ही अस्तित्व में आई। अभी दुनिया के 3 से 4 देश के पास ही हाइड्रोजन ट्रेन चलाने का सामर्थ्य है।

### 21वीं सदी के रेलवे की पहचान

- 19वीं सदी के रेलवे की पहचान स्टीम इंजन से बने थे। 20वीं सदी की पहचान, डीजल और बिजली से चलने वाली रेल बनी और अब 21वीं सदी की रेल हाइड्रोजन से चलने वाली है।

### रेल नेटवर्क का बिजलीकरण

- 1925 से लेकर साल 2014 तक यानी करीब 90 साल में पूरे देश के रेल नेटवर्क का सिर्फ 30% का बिजलीकरण हो पाया था। लेकिन बीते 12 वर्षों में भारत के करीब 99% रेल नेटवर्क का बिजलीकरण हुआ है।

### पांच नेशनल हाइवे से कनेक्टेड है जींद

- अब जींद देश का ऐसा जिला बन गया है, जो पांच नेशनल हाइवे से कनेक्टेड है। ऐसी कनेक्टिविटी से यहां के किसान और पशुपालकों की उपज को बड़ी मंडियों तक पहुंचाना आसान और सस्ता होगा। उद्योगों को बल मिलेगा, पर्यटन बढ़ेगा जिससे बड़ी संख्या में नए रोजगार भी बनेंगे।

## पीएम मोदी ने दी हरियाणा को विकास की सौगातें

- जींद और सोनीपत के बीच चलने वाली देश की पहली हाइड्रोजन-चालित ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया।
- हरियाणा में 12,470 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखी।
- लगभग 9,680 करोड़ रुपये की लागत से विकसित 157.92 किलोमीटर लंबे, चार लेन वाले और पूरी तरह से सुलभ दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे राष्ट्र को समर्पित।
- राष्ट्रीय राजमार्ग-7 और राष्ट्रीय राजमार्ग-344 पर बने 33.81 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले, आंशिक रूप से प्रवेश-नियंत्रित अंबाला कालाअंब राजमार्ग का उद्घाटन।
- राष्ट्रीय राजमार्ग-352ए पर स्थित 40.60 किलोमीटर लंबा जींद-गोहाना ग्रीनफील्ड राजमार्ग का उद्घाटन।
- हांसी-बरवाला ब्राउनफील्ड राजमार्ग परियोजना की आधारशिला। कुरुक्षेत्र में एलिवेटेड रेलवे ट्रैक का लोकार्पण।
- पंडित नेकी राम शर्मा सरकारी मेडिकल कॉलेज, भिवानी; महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज और राव तुला राम अस्पताल, कोरियावास, नारनौल सहित प्रमुख चिकित्सा संस्थान राष्ट्र को समर्पित।
- क्षेत्र के सांस्कृतिक आधारभूत ढांचे को और समृद्ध करते हुए कुरुक्षेत्र में सिख संग्रहालय की आधारशिला।

के लिए रोजगार के अनेक नए अवसर बनने तय हैं।

मुंबई और ठाणे के बीच ऐतिहासिक पहली ट्रेन यात्रा से तुलना करते हुए पीएम मोदी कहा कि भविष्य की पीढ़ियों की उन्नत हरित परिवहन की चर्चा में हाइड्रोजन ट्रेन के साथ ही जींद का नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाएगा। जींद कई सारे हाइवे से जुड़ रहा है, यहां से भी तीन बड़े प्रोजेक्ट्स शुरु हुए हैं। दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे के हरियाणा वाले हिस्से का लोकार्पण किया गया है। जींद-गोहाना नेशनल हाईवे भी राष्ट्र को समर्पित किया गया है। इसके अलावा, अंबाला-कालाअंब फोरलेन से भी हरियाणा और हिमाचल, दोनों राज्यों के लोगों को बहुत सुविधा होगी।

पीएम मोदी द्वारा चंडीगढ़ में विकास परियोजनाओं की शुरुआत का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

# तकनीक, नवाचार और स्वास्थ्य सेवा विकसित भारत की मजबूत नींव

*चंडीगढ़ केवल एक शहर नहीं बल्कि भारत के विकास का एक मॉडल रहा है। विकास को नए पंख देने की इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जुलाई को चंडीगढ़ में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर सहित 4,700 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। साथ ही पंजाब के जालंधर को भी दी विकास की सौगातें...*

चंडीगढ़ एक ऐसा शहर है, जहां एजुकेशन, इंजीनियरिंग, मेडिकल साइंस और रिसर्च से जुड़े बड़े संस्थान एक साथ मौजूद हैं। बहुत कम शहरों के पास ऐसा सामर्थ्य होता है। आने वाले समय में यही संस्थान नई टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, स्टार्टअप और इनोवेशन के बड़े केंद्र बन सकते हैं। चंडीगढ़ में विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में फ्यूचर की टेक्नोलॉजी, ट्रांसपोर्टेशन और हेल्थ सर्विसेस को आधुनिक सोच के साथ आगे बढ़ना है। ऐसे फैसले लेने हैं, जिनका लाभ वर्तमान पीढ़ी को तो मिले ही, आने वाली पीढ़ियों को भी मिलता रहे। हमें ऐसे संस्थान बनाने हैं जो समय के साथ और मजबूत हो जाएं।

> *बीमारियों के इलाज के साथ ही आज उतना ही फोकस Preventive Healthcare पर भी है। पोषण अभियान, मिशन इंद्रधनुष, योगा, H.P.V. Vaccination, U-WIN प्लेटफॉर्म, ऐसे कई अहम प्रयासों के कारण करोड़ों लोगों का जीवन सुरक्षित हो रहा है।*
>
> **- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

## छू रहे हैं सफलता के नित नए शिखर

- 2014 के बाद देश में 15 नए एम्स को मंजूरी दी गई है।
- देश में करीब पौने दो लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर काम कर रहे हैं।
- देश में 90% से अधिक संस्थागत डिलीवरी हो रही हैं।

**86%** की कमी मातृ मृत्यु दर में आई है।

- देश में 48 करोड़ से ज्यादा टेलीमेडिसिन परामर्श हो चुके हैं।
- टीबी का ट्रीटमेंट कवरेज 90% से ज्यादा हो गया है।
- WHO की रिपोर्ट के मुताबिक 10 वर्षों में टीबी संक्रमण भी 21 प्रतिशत कम हुआ।

## चंडीगढ़ को मिली विकास की सौगातें

- स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित 4,700 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास।
- चंडीगढ़ के पीजीआईएमईआर में एडवांस्ड मदर एंड चाइल्ड सेंटर और एडवांस्ड न्यूरोसाइंस सेंटर का उद्घाटन।
- पीजीआईएमईआर में पीएम-एबीएचआईएम के अंतर्गत 150 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर ब्लॉक की आधारशिला।
- चंडीगढ़ में शैक्षणिक संस्थानों से संबंधित कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास।
- अंबाला-चंडीगढ़ ग्रीनफील्ड राजमार्ग (एनएच-205ए) के पीआर-7 स्पर की आधारशिला।

## जालंधर को मिली विकास की सौगातें

**5,470** करोड़ रुपये से अधिक की रेल और सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का उद्घाटन और शिलान्यास।

- अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत जालंधर कैंट सहित 75 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन।
- करतोली-अंबाला रेल सेवा और अमृतसर (छेहर्टा)-वाराणसी रेल सेवा को हरी झंडी।

नांगल बांध-तलवारा-मुकेरियन नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत लगभग **830** करोड़ रुपये की लागत से निर्मित दौलतपुर चौक-करतोली नई रेल लाइन का उद्घाटन।

- पंजाब में सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए 3,070 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और आधारशिला।
- चार लेन वाले नए दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे के 30.9 किमी लंबे पैकेज-6 का उद्घाटन।
- 25.2 किमी लंबे छह लेन वाले ग्रीनफील्ड दक्षिणी लुधियाना बाईपास के विकास की आधारशिला।

पिछले कुछ वर्षों में चंडीगढ़ को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए स्मार्ट ट्रैफिक, स्मार्ट पार्किंग और डिजिटल गवर्नेंस जैसे कई प्रोजेक्ट चलाए गए हैं। ढाई हजार करोड़ से ज्यादा रुपये इस मिशन में खर्च हुए हैं। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि आज भी यहां हेल्थ, एजुकेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े विकास के कई काम शुरू हो रहे हैं।

# विकसित गांव विकसित भारत की मजबूत नींव

*विकसित गांव विकसित भारत की आधारशिला हैं। विकसित भारत के निर्माण की यात्रा लगातार चल रही है और इसमें युवा साथियों की बड़ी भूमिका है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 जुलाई को विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026 के प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा जब देश का युवा जमीन से जुड़ता है तो वो विकसित भारत के विजन को बनाता है और व्यापक...*

कुछ साल पहले 'मेरा युवा भारत-माय भारत' मंच बनाया गया था। इससे देश भर के करोड़ों युवा जुड़े हैं। आज पूरे देश में माय भारत के युवा वॉलंटियर बहुत प्रशंसनीय काम कर रहे हैं। विकसित भारत डायलॉग से लेकर विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम तक युवाओं ने अपना सामर्थ्य दिखाया है। विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026 के प्रतिभागियों से बातचीत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत का युवा जितना ज्यादा सीमावर्ती गांवों को जानेगा, उतना ही वो भारत को सरलता से समझेगा। वो भारत के कोने-कोने के साथ आसानी से जुड़ेगा और इस प्रयास से नई मजबूती मिलेगी।

सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटन भी फल-फूल रहा है। जो गांव वीरान

> "आज का युवा विकसित भारत की ऊर्जा भी है और विकसित भारत का सबसे बड़ा लाभार्थी भी है। इसलिए युवा शक्ति जब देश की चुनौतियों और समाधानों से सीधी जुड़ेगी तो भविष्य निश्चित ही उज्ज्वल होगा।
>
> **– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

## प्रतिभागियों के साथ पीएम मोदी ने की वर्चुअल बातचीत

देश भर के
**245**
जिलों से 5,000 से ज्यादा माय भारत वॉलंटियर इस कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुए।

**2.30**
करोड़
से ज्यादा युवाओं को माय भारत की पहलों से फायदा हुआ, जबकि 2.86 लाख युवाओं ने देशव्यापी क्विज में हिस्सा लिया।

**403** स्वयंसेवकों को सीमावर्ती गांवों का दौरा करने के लिए चुना गया।

## राष्ट्र का पहला गांव, भारत के सीमावर्ती गांव

माय भारत के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम प्रधानमंत्री के उस दृष्टिकोण को साकार करने के लिए तैयार किया गया है जिसमें भारत के सीमावर्ती गांवों को राष्ट्र के पहले गांवों के रूप में माना जाता है। साथ ही, उन्हें विकसित भारत की यात्रा में सक्रिय भागीदार बनाया जाता है।

## दो चरणों में किया आयोजन

विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026 का आयोजन दो चरणों में 4 जून से 30 जून 2026 तक किया गया। इसमें लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के 74 वाइब्रेंट गांवों को शामिल किया गया। प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले 400 से अधिक युवा प्रतिभागियों का चयन एक राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तीन लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया।

## कार्यक्रम के तहत कई गतिविधियों का आयोजन

विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026 कार्यक्रम के अंतर्गत, प्रतिभागियों ने स्थानीय समुदायों के साथ रहकर स्वच्छता अभियान, सरकारी योजनाओं पर जागरूकता अभियान, युवा सम्मेलन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, पौधारोपण अभियान, लघु पंचायत मॉडल सिमुलेशन, स्थानीय कारीगरों के साथ बातचीत और रणनीतिक महत्व के संस्थानों का दौरा जैसी गतिविधियों में भाग लिया। इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य, सांस्कृतिक विरासत और विकास संबंधी आकांक्षाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान किया। साथ ही सामुदायिक भागीदारी, राष्ट्रीय एकता और सीमावर्ती गांवों के रणनीतिक महत्व की गहरी समझ को बढ़ावा दिया।

पड़ गए थे, वहां फिर से चहल-पहल होने लगी है। बेटियां स्कूल-कॉलेज जाती हैं। अच्छी पढ़ाई और अच्छी कमाई का माहौल भी बन रहा है। साथ ही, वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम सीमावर्ती गांवों के इस विकास को और गति दे रहा है। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि मेरा हमेशा से यह दृढ़ विश्वास रहा है कि भारत के नौजवान 21वीं सदी की दुनिया को शेप करने वाले रहे हैं। भारत के युवा की यही असली नियति है। ■

पीएम मोदी का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त

# भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल 'विक्रम-1' का सफल लॉन्च

*करोड़ों भारतीयों के कौशल और प्रतिभा की बदौलत आज भारत दुनिया भर के अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। इसकी एक बड़ी वजह केंद्र सरकार द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए बड़े बदलाव हैं। सरकार की बेहतर नीतियों के कारण ही आज युवा, प्राइवेट कंपनी और स्टार्टअप को बड़े अवसर मिल रहे हैं। इसी का एक शानदार उदाहरण 'विक्रम-1' का सफल लॉन्च है, जो भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट है। यह इस बात का भी प्रमाण है कि भारत तेजी से बढ़ती दुनिया की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में बनता जा रहा है एक बड़ा और मुख्य खिलाड़ी...*

विक्रम-1 का सफल लॉन्च किसी मिशन की सफलता से बढ़कर है। यह एक नए युग की शुरुआत है जिसमें भारतीय इनोवेशन, साहसिक नीतिगत सुधार और मजबूत पब्लिक-प्राइवेट सहयोग का समर्थन शामिल है। अंतरिक्ष विभाग के राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह मिशन इंटरनेशनल स्पेस सेक्टर में एक भरोसेमंद, विश्वसनीय और तकनीकी रूप से एडवांस्ड पार्टनर के तौर पर भारत की स्थिति को और मजबूत करता है।

विक्रम-1 लॉन्च का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

## राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस भारत के युवाओं के लिए उत्साह और प्रेरणा का अवसर बन गया है जो राष्ट्र के लिए गौरव की बात है।

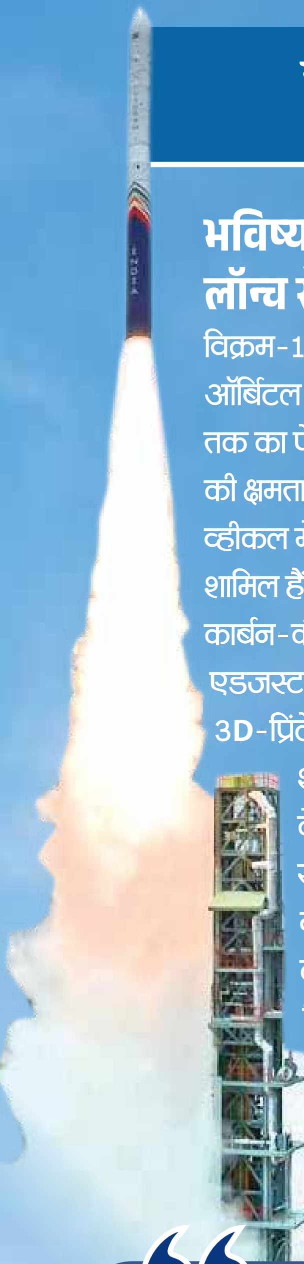

### भविष्य की कमर्शियल ऑर्बिटल लॉन्च सेवाओं का मजबूत आधार

विक्रम-1 देश का पहला प्राइवेट तौर पर विकसित ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल है। इसमें 350 किलोग्राम तक का पेलोड 'लो अर्थ ऑर्बिट' (LEO) में पहुंचाने की क्षमता है। लगभग 22 मीटर ऊंचे इस लॉन्च व्हीकल में कई स्वदेशी तकनीकी उपलब्धियां शामिल हैं। जैसे भारत का पहला पूरी तरह से कार्बन-कंपोजिट ऑर्बिटल रॉकेट, इसके ऑर्बिटल एडजस्टमेंट मॉड्यूल को पावर देने वाला 100% 3D-प्रिंटेड लिक्विड इंजन, एडवांस्ड अल्ट्रा-लो-शॉक न्यूमेटिक सेपरेशन सिस्टम और देश के सबसे लंबे मोनोलीथिक कार्बन-कंपोजिट रॉकेट स्टेज में से एक। इस सफल मिशन ने महत्वपूर्ण प्रोपल्शन, एवियोनिक्स, टेलीमेट्री, नेविगेशन और फ्लाइट-कंट्रोल सिस्टम को प्रमाणित किया, जिससे भारत में भविष्य की कमर्शियल ऑर्बिटल लॉन्च सेवाओं के लिए एक मजबूत आधार तैयार हुआ।

### स्पेस इकोसिस्टम में आया बदलाव

2020 में किए गए अहम सुधारों के बाद से भारत के स्पेस इकोसिस्टम में जबरदस्त बदलाव आया है। कुछ साल पहले तक जहां कोई प्राइवेट लॉन्च इकोसिस्टम नहीं था, वहीं आज भारत में 400 से ज्यादा स्पेस स्टार्टअप हैं। विक्रम-1 का निर्माण करने वाला स्टार्टअप स्काईरूट देश का पहला स्पेस यूनिकॉर्न भी है।

**$9** अरब के करीब पहुंच रही है स्पेस इकॉनमी।

लगभग **$44** अरब तक बढ़ाना है राष्ट्रीय लक्ष्य अगले दशक में।

विक्रम-1 की कामयाबी यह दिखाती है कि कैसे पॉलिसी में सुधार इनोवेशन को तेजी दे सकते हैं।

*"विक्रम-1 के सफल प्रक्षेपण पर बधाई। यह भारत की अंतरिक्ष यात्रा का एक निर्णायक क्षण है। हमारे निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी नए आयाम खोल रही है और नवाचार को गति दे रही है। यह उपलब्धि अनगिनत युवाओं को बड़े सपने देखने और निडर होकर नवाचार करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।*

**– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

## राष्ट्र के समग्र विकास में भागीदार...

# खेल की शक्ति

*अगस्त, भारत में खेल उत्सव का महीना बन गया है। देश 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाएगा तो फिट इंडिया अभियान की 7वीं वर्षगांठ भी उसी दिन है। फिट इंडिया अभियान से देश में स्वास्थ्य-फिटनेस के प्रति जागरूकता और सक्रियता बढ़ी है। यही वजह है कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय खेल नीति 2025 के विजन – "राष्ट्र निर्माण के लिए खेल: राष्ट्र के समग्र विकास में खेलों की शक्ति का उपयोग" के 5 स्तंभ से मजबूत कर रही है खेल का इकोसिस्टम...*

भारत हर वर्ष 29 अगस्त को हॉकी के प्रसिद्ध खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाता है। देश जहां भारत को 2036 तक शीर्ष-10 खेल राष्ट्र और 2047 तक शीर्ष-5 राष्ट्र बनने के उद्देश्य से खिलाड़ी तैयार कर रहा है, वहीं नागरिकों का फिटनेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशेष प्राथमिकता है। वर्ष 2019 में फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत की गई। अब यह अभियान देश में एक व्यापक फिटनेस क्रांति बन गया है। फिट इंडिया में बीते वर्ष 2025 में 35 करोड़ से अधिक लोगों ने खेल और फिटनेस का राष्ट्रव्यापी उत्सव मनाया।

केंद्र की वर्तमान सरकार ने 10 जुलाई 2025 को खेलो भारत नीति-2025 का शुभारंभ किया। इस नई नीति ने राष्ट्रीय खेल नीति, 2001 की जगह ली। देश को वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने और वर्ष 2036 ओलंपिक खेलों सहित अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के उद्देश्य से इस नीति में एक दूरदर्शी 5 स्तंभों पर काम शुरू किया गया है। यह नीति स्वस्थ, अधिक संलग्न और सशक्त नागरिक बनाएगी।

स्तंभ-1

# वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता

*इस स्तंभ के तहत खेलो इंडिया- राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता, राष्ट्रीय खेल विकास निधि के साथ राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र पर काम किया जा रहा है।*

**28,234**
खिलाड़ियों को देश भर में अधिसूचित 1,066 खेलो इंडिया केंद्र जमीनी स्तर पर प्रशिक्षण दे रहे हैं।

**12,000**
से अधिक एथलीटों को 23 राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, 50 से अधिक उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण केंद्र सहायता प्रदान कर रहे हैं।

**35**
खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र 34 राज्यों में 2,466 एथलीटों को उच्च प्रदर्शन सहायता प्रदान कर रहे हैं।

**₹ 6.28 लाख**
प्रति वर्ष का वित्त पोषण प्रत्येक खेलो इंडिया एथलीट को प्रशिक्षण के लिए व्यापक सहायता के तहत दिया जा रहा है।

इंदिरा गांधी स्टेडियम में राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र स्थापित किया गया है।

स्तंभ-2

# आर्थिक विकास के लिए खेल

*राष्ट्रीय खेल नीति, 2025 में खेलों की आर्थिक क्षमता पर जोर दिया गया है। भारत में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन कराने का प्रयास करने के साथ ही खेल मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने, निजी भागीदारी को बढ़ावा देने पर काम किया जा रहा है।*

**322**
खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमियों (निजी सुविधाओं सहित) को शीर्ष स्तर की प्रतिभाओं को निखारने के लिए सर्टिफाइड किया गया है।

**2030**
में युवा ओलंपिक खेल और 2036 में ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी भारत ने की है। भारत में अभी तक ओलंपिक मेजबानी नहीं की है।

2025 में भारत ने पहले खो-खो विश्व कप का आयोजन नई दिल्ली में किया जिसमें भारत ने महिला और पुरुष दोनों वर्ग में खिताब जीता।

12वीं विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की मेजबानी की। भारत ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 6 स्वर्ण सहित 22 पदक जीते।

- भारत ने भविष्य में ओलंपिक तथा पैरा-ओलंपिक खेलों की मेजबानी की आकांक्षा को ध्यान में रखकर ऑस्ट्रेलिया के साथ एक रोडमैप पर काम शुरू किया है।
- 500 करोड़ रुपये की खेल सामग्री विनिर्माण पहल 2026-27 के बजट में की गई है। यह खेलों को रोजगार, कौशल विकास और आर्थिक विकास के केंद्रीय कारक के रूप में स्थापित करती है।

स्तंभ-3

# सामाजिक विकास के लिए खेल

*महिलाओं, आदिवासी समुदायों और दिव्यांगजनों के बीच भागीदारी, स्वदेशी और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने, खेलों को करियर के विकल्प के रूप में स्थापित करने का काम केंद्र सरकार कर रही है।*

**2,600**

से अधिक अस्मिता लीग (महिला लीग) खेलो इंडिया के तहत आयोजित, 34 खेलों में 3 लाख से अधिक महिला खिलाड़ियों की रही है भागीदारी।

बीते 5 वर्षों में तीन देशज खेल-योगासन, खो-खो और कबड्डी को राष्ट्रीय स्तर की खेल स्पर्धाओं में शामिल किया गया है। मल्लखंब, थांग-टा, कलारीपयट्टु, गटका और योगासन को खेलो इंडिया यूथ गेम्स और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के कई संस्करणों में शामिल किया गया।

केंद्रीय बजट

**2026-27**

में घोषित खेलो इंडिया मिशन से देश के खेल इकोसिस्टम में बड़ा बदलाव आएगा।

स्तंभ-4

# जन आंदोलन के रूप में खेल

*राष्ट्रव्यापी अभियानों और समुदाय-आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से खेल में जन भागीदारी और फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देने का काम बीते वर्षों में बढ़ाया गया है। खेल सुविधाओं तक सबकी पहुंच को बढ़ावा दिया जा रहा है।*

- लोकसभा स्तर पर सांसद खेल महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं।
- 4.40 लाख से अधिक स्कूल फिट इंडिया अभियान में पंजीकृत हैं।
- वर्ष भर फिट इंडिया अभियान के तहत 'संडे ऑन साइकिल', फिट इंडिया स्वच्छता फ्रीडम रन, फिट इंडिया कॉर्निवाल आयोजित किए जाते हैं।
- फिटनेस मापदंडों को ट्रैक करने वाले फिट इंडिया मोबाइल एप के 13 लाख + डाउनलोड हो चुके हैं।

स्तंभ-5

# शिक्षा के साथ एकीकरण (एनईपी 2020)

*राष्ट्रीय खेल नीति में बचपन से ही शारीरिक शिक्षा को फोकस में रखा गया है। यह आजीवन फिटनेस और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए खेलों को एक एकीकृत विषय मानकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप है।*

- एनईपी 2020 में खेल और शारीरिक शिक्षा को शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है। अब विद्यार्थी को खेल और पढ़ाई दोनों क्षेत्रों में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे।
- शैक्षणिक स्तर पर खिलाड़ियों और विद्यार्थियों के लिए विशेष कोर्स वर्क तैयार किए जा रहे हैं।
- पहली बार आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में भी स्पोर्ट्स कोटा की व्यवस्था की गई है।

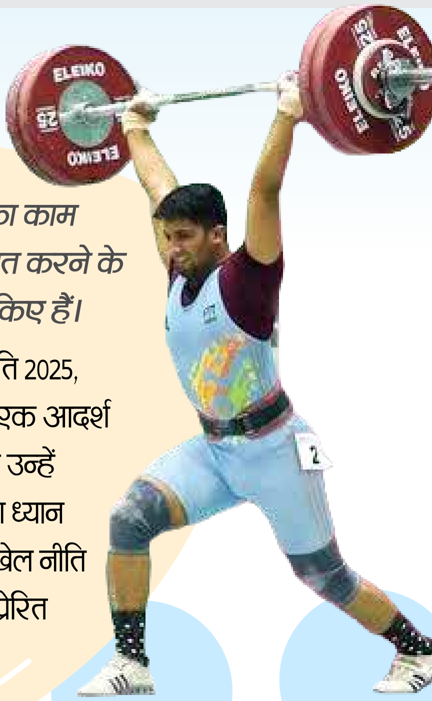

# राष्ट्रीय खेल नीति को लागू करने का भी तय है फ्रेमवर्क

*वैश्विक स्तर पर सम्मानित, एथलीट-केंद्रित शासन ढांचे की स्थापना करने का काम केंद्र सरकार ने शुरू कर दिया है। राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, 2025 अधिसूचित करने के बाद कुछ अन्य प्रशासनिक सुधार और पारदर्शिता वाले कानून भी अधिसूचित किए हैं।*

'एक खेल-एक कॉर्पोरेट' नीति की भी घोषणा की है, जिसका उद्देश्य खेल विकास के लिए महासंघों की सहायता लेना और वित्तीय सहायता आकर्षित करना है।

खेल के नए अधिनियम और नियम का उद्देश्य ओलंपिक एवं खेल आंदोलन के सुशासन, नैतिकता एवं निष्पक्ष खेल की कार्य पद्धतियों पर आधारित एक व्यापक वैधानिक ढांचे के माध्यम से राष्ट्रीय खेल परिसंघों में उत्तरदायित्व, पारदर्शिता एवं सुशासन सुनिश्चित करना है।

राष्ट्रीय खेल नीति 2025, राज्यों के लिए एक आदर्श खेल नीति है जो उन्हें राष्ट्रीय हितों का ध्यान रखकर राज्य खेल नीति बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

भारतीय शटलर पीवी सिंधु ने जापान ओपन 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रचा। सिंधु यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं।

## भारतीय खिलाड़ी लहरा रहे हैं तिरंगा

- आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 में भारत ने रिकॉर्ड छठी बार खिताब जीता।
- भारत ने 2025 में ही खो-खो विश्व कप में पुरुष और महिला दोनों वर्गों मे स्वर्ण पदक जीता।
- सेपक टकरा विश्व कप 2025 में भारतीय दल ने 7 पदक जीते।
- भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 जीता।
- आईसीसी अंडर 19 महिला क्रिकेट टी20 विश्व कप 2025 में जीत दर्ज की।
- भारतीय नेत्रहीन महिला क्रिकेट टीम ने पहला नेत्रहीन महिला टी20 विश्व कप 2025 जीता, सीरीज में अपराजित रहीं।

> *भारतीय बैडमिंटन के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि! जापान ओपन 2026 में जीत हासिल करने पर पीवी सिंधु को बधाई। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनका दृढ़ संकल्प और असाधारण कौशल देखने को मिला। यह उपलब्धि इसलिए और भी खास है, क्योंकि वे यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। यह देश भर के अनगिनत युवा खिलाड़ियों को खेलने और शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा।*
>
> **– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

राष्ट्रमंडल खेल में भारतीय खिलाड़ियों ने बढ़ाया देश का मान

# भारत ने जीते 13 स्वर्ण सहित कुल 39 पदक

**पदक तालिका**

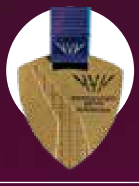

स्वर्ण 13

रजत 17

कांस्य 9

कुल 39

*स्कॉटलैंड के ग्लासगो में हुए राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत ने शानदार खेल प्रदर्शन करते हुए 13 स्वर्ण और 17 रजत पदक के साथ 39 पदक जीते। अपने इस प्रदर्शन के दम पर भारत पदक तालिका में चौथे पायदान पर रहा। भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गर्व व्यक्त किया, वहीं वर्ष 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की शताब्दी मेजबानी के लिए भारत पूरी तैयारी और संकल्प के साथ बढ़ रहा है आगे...*

| रैंक | देश | गोल्ड | सिल्वर | कांस्य | कुल मेडल |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | ऑस्ट्रेलिया | 70 | 45 | 56 | 171 |
| 2. | इंग्लैंड | 29 | 45 | 36 | 110 |
| 3. | कनाडा | 19 | 20 | 23 | 62 |
| 4. | भारत | 13 | 17 | 9 | 39 |
| 5. | स्कॉटलैंड | 13 | 09 | 17 | 39 |

# 2030 में भारत के अहमदाबाद में होगा अगला राष्ट्रमंडल खेल का आयोजन।

## राष्ट्रमंडल खेल 2026 की शानदार विदाई

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में 2026 राष्ट्रमंडल खेलों का भव्य समापन समारोह भारत की सांस्कृतिक विरासत और अहमदाबाद 2030 की मेजबानी के संकल्प के नाम रहा। रंगारंग समारोह में भारत की शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया और राष्ट्रमंडल खेलों के अगले अध्याय के रूप में अहमदाबाद की मेजबानी का औपचारिक आगाज भी हो गया।

समापन समारोह के दौरान जब 'वंदे मातरम्', 'शिव स्तोत्र' और 'सुनो गौर से दुनिया वालों' की गूंज पूरे एरिना में सुनाई दी तो भारतीय प्रशंसक तिरंगा लहराते हुए झूम उठे। बड़ी संख्या में विदेशी दर्शकों ने भी भारतीय संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुति का आनंद लिया। इस दौरान ग्लासगो से अहमदाबाद तक राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के हस्तांतरण का भावनात्मक और प्रतीकात्मक दृश्य देखने को मिला।

समापन समारोह के दौरान राष्ट्रमंडल खेलों का ध्वज औपचारिक रूप से गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी को सौंपा गया। इसके साथ ही अहमदाबाद ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की जिम्मेदारी आधिकारिक रूप से संभाल ली। अहमदाबाद 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह खेलों के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित होने वाला शताब्दी संस्करण होगा। भारत, ऑस्ट्रेलिया के बाद राष्ट्रमंडल खेलों की दो बार मेजबानी करने वाला दुनिया का दूसरा देश बनेगा।

## मुक्केबाजी में रहा भारत का सबसे शानदार प्रदर्शन

भारतीय मुक्केबाजों ने 7 गोल्ड और 3 सिल्वर मेडल के साथ कुल 10 पदक जीते। यह राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में भारत का सबसे सफल मुक्केबाजी अभियान बन गया है। भारत ने जहां वेटलिफ्टिंग, जूडो और मुक्केबाजी में शानदार प्रदर्शन किया वहीं पैरा खेलों में भी उसका प्रदर्शन शानदार रहा।

## पदक जीत बढ़ाया देश का मान

ग्लासगो 2026 का राष्ट्रमंडल खेल संस्करण सीमित खेलों के साथ आयोजित हुआ। इसमें भारत के कई पारंपरिक मजबूत खेल शामिल नहीं थे। इसके बावजूद, टीम इंडिया ने बर्मिंघम 2022 में समान खेलों में जीते गए 30 पदकों की तुलना में इस बार 39 पदक जीतकर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, खेलों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और खिलाड़ियों को निरंतर मिल रहे प्रोत्साहन के परिणामस्वरूप भारतीय खेलों की बढ़ती गहराई और वैश्विक स्तर पर देश की मजबूत उपस्थिति आज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

*ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में हमारे दल के प्रदर्शन पर गर्व है। भारत के 13 स्वर्ण सहित कुल 39 पदक जीतने पर बेहद खुशी है। इन पूरे खेलों के दौरान, हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने असाधारण कौशल, दृढ़ संकल्प और समर्पण का परिचय दिया है। उनकी मेहनत हमारे युवाओं को निरंतर प्रेरित करती रहेगी। मेरी ओर से भारतीय दल को उनके आगामी प्रयासों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।*

***- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री***

वर्ष 2024 के लिए 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा

# 'आर्टिकल 370' को मिला सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार

*वर्ष 2024 के लिए 18 जुलाई को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा की गई। 'आर्टिकल 370' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म जबकि 'भंगार' को बेस्ट नॉन-फीचर फिल्म और 'राम-नामी' को बेस्ट वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) का मिला पुरस्कार...*

वर्ष 2024 के लिए 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा में जहां कार्तिक आर्यन और ममूटी को 'चंदू चैंपियन' और 'ब्रह्मयुगम' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (मुख्य भूमिका) चुना गया। वहीं यामी गौतम को 'आर्टिकल 370' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (मुख्य भूमिका) का पुरस्कार दिया गया। रणदीप हुड्डा ने 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के लिए सर्वश्रेष्ठ डेब्यू डायरेक्टर का पुरस्कार जीता। 'कल्कि 2898 एडी', 'अमरन', 'पुष्पाः द रूल पार्ट-02', 'भूल भुलैया 3' और 'स्त्री 2' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों ने भी बड़े पुरस्कार हासिल किए जो भारतीय सिनेमा की विविधता और बेहतरीन गुणवत्ता को दर्शाते हैं।

इन पुरस्कारों की घोषणा फीचर फिल्म जूरी के चेयरमैन जयराज, नॉन-फीचर फिल्म जूरी के चेयरमैन असीम सिन्हा और सिनेमा पर बेस्ट राइटिंग जूरी के चेयरमैन ए. चंद्रशेखर ने की। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भारत के सिनेमाई परिदृश्य का सर्वोच्च और सर्वाधिक प्रतिष्ठित सम्मान हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित यह वार्षिक समारोह भारतीय सिनेमा की विविधता, कलात्मकता और सामाजिक प्रासंगिकता का उत्सव है।

72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

## यामी गौतम को मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार

'आर्टिकल 370' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार।

## कार्तिक आर्यन और ममूटी को 'चंदू चैंपियन' एवं 'ब्रह्मयुगम' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार

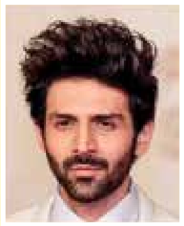

कार्तिक आर्यन

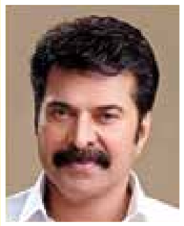

ममूटी

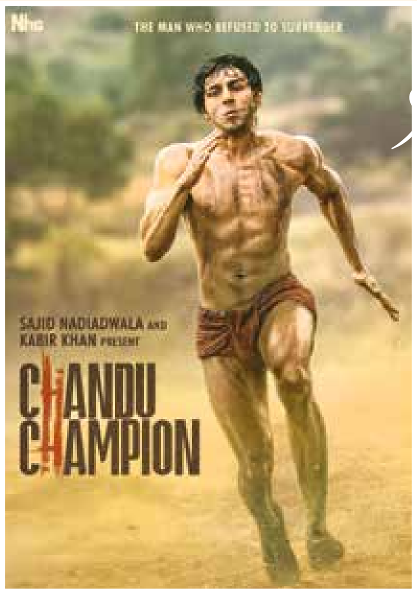


## रणदीप हुड्डा को 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के साथ नए (डेब्यू) निर्देशक का पुरस्कार

## सर्वश्रेष्ठ नॉन-फीचर फिल्म का पुरस्कार 'भंगार' को

## 'राम-नामी' को सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र का पुरस्कार

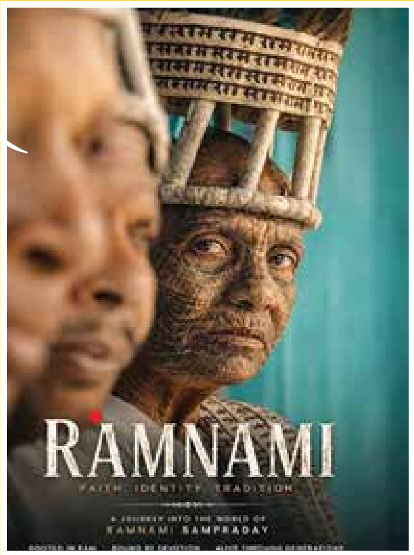


- राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में ब्लॉकबस्टर फिल्में 'कल्कि 2898 एडी', 'पुष्पाः द रूल पार्ट-02', 'स्त्री 2' और 'अमरन' रहीं छाई।

# जिन्होंने आत्मसमर्पण के बजाय चुना आत्मबलिदान

*गुलामी की बेड़ियों से देश को आजाद कराने और अंग्रेजों के अत्याचार के खिलाफ संघर्ष करने वालों में वीरांगना अवंतीबाई लोधी का विशिष्ट स्थान है। सन् 1857 के आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाली रानी अवंतीबाई ने जहां एक ओर सुशासन की स्थापना का आदर्श प्रस्तुत किया,वहीं मातृभूमि के स्वाभिमान के लिए जीवनपर्यंत संकल्पित रहीं। उनकी जीवनगाथा राष्ट्र को अनंतकाल तक करती रहेगी गौरवान्वित...*

*जन्म - 16 अगस्त, 1831 ■ मृत्यु- 20 मार्च, 1858*

मध्य प्रदेश के सिवनी में 16 अगस्त 1831 को राष्ट्र स्वाभिमान की अमर प्रतीक अवंतीबाई का जन्म हुआ। उनके पिता जुझार सिंह ने बचपन से ही तलवारबाजी, निशानेबाजी और घुड़सवारी का प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया था। जब राजकुमारी बड़ी हुईं तो उनका विवाह रामगढ़ के राजा लक्ष्मण सिंह लोधी के पुत्र राजकुमार विक्रमादित्य के साथ हुआ। राजा के अस्वस्थ होने एवं उनके पुत्रों के अल्पवयस्क होने के कारण, रानी को राज्य की बागडोर संभालनी पड़ी। वह एक कुशल प्रशासक साबित हुईं। उस समय अंग्रेज देश की रियासतों को अपने कब्जे में लेने के लिए तरह-तरह के नियम-कानून बना रहे थे। अंग्रेजों ने 'विलय की नीति' के तहत रामगढ़ को भी हड़पने के लिए 'कोर्ट ऑफ वाड्र्स' नियुक्त कर दिया। ऐसे में रानी अवंतीबाई ने विद्रोह का बिगुल फूंक दिया। उन्होंने अपने आसपास के राजाओं और जमींदारों को एकजुट करने के लिए चिट्ठी और चूड़ियों के संदेश भेजे जो क्रांति का एक अनूठा प्रतीक बन गया। उन्होंने पत्र में लिखा - "अंग्रेजों से संघर्ष के लिए तैयार रहो या चूंड़ियां पहनकर घर बैठो।" उन्होंने 1857 के स्वाधीनता संग्राम में ब्रिटिश शासन के विरूद्ध युवाओं को संगठित कर अद्वितीय नेतृत्व का परिचय दिया। खैरी के युद्ध में उन्होंने अपनी सूझबूझ से अंग्रेज सेनापति वाडिंगटन को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया और अपनी भूमि को मुक्त कराया। साथ ही, उन्होंने अनेक क्षेत्रों को मुक्त कर अपनी वीरता और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। इतना ही नहीं, अंग्रेजों की विशाल सैन्य शक्ति द्वारा घेरे जाने पर वे देवहारगढ़ की पहाड़ियों में वीरतापूर्वक लड़ीं। 20 मार्च, 1858 को जब उन्हें लगा कि वह अंग्रेजों के हाथों बंदी बन सकती हैं तो उन्होंने अपनी ही तलवार से जीवन त्याग कर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

देश की आन-बान-शान और आजादी की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाली अवंतीबाई को 'भारत की जोआन ऑफ आर्क' के रूप में सम्मान दिया जाता है। वे नारी शक्ति व स्वाभिमान की अमर प्रतीक हैं। भारतीय डाक विभाग ने उनके सम्मान में स्मारक डाक टिकट जारी किया है। जबलपुर में बरगी बांध का नाम उनके सम्मान में 'रानी अवंती बाई सागर' रखा गया है। ■

> *वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी जी का जीवन साहस, त्याग व राष्ट्रभक्ति की अद्वितीय मिसाल है। 1857 के संग्राम में उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ डटकर संघर्ष किया और आत्मसमर्पण के बजाय वीरगति को चुना। उनका बलिदान राष्ट्र के प्रति समर्पण व स्वाभिमान का अमर संदेश है। उनकी जयंती पर सादर नमन।*
>
> ***– अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री***

**Narendra Modi**
@narendramodi

बीते 12 वर्षों में हमारी सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में देश का सामर्थ्य बढ़ाया है, जिससे आज लोगों को इलाज की बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। हमारे प्रयासों का एक बड़ा परिणाम यह भी है कि भारत मेडिकल टूरिज्म का एक अहम डेस्टिनेशन बन रहा है।

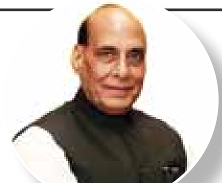

**Rajnath Singh**
@rajnathsingh

राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ देशवासियों का सामूहिक दायित्व भी है। देश के हर नागरिक में सैनिक जैसी चेतना अवश्य होनी चाहिए। प्रत्येक भारतीय के भीतर राष्ट्र प्रथम का भाव, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा सदैव जागृत रहनी चाहिए।

**Amit Shah**
@AmitShah

'हर घर तिरंगा' अभियान ने पूरे देश को राष्ट्रीय भावना से जोड़ा है। इस वर्ष भी पूरे उत्साह और सम्मान के साथ इस अभियान को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना है: PM श्री @narendramodi जी

**Nitin Gadkari**
@nitin_gadkari

महाराष्ट्र के भविष्य की कनेक्टिविटी का नया प्रतीक बनेगा तालेगांव-चाकण-शिक्रापुर कॉरिडोर!

#PragatiKaHighway #GatiShakti

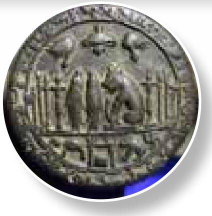

**Nirmala Sitharaman Office**
@nsitharamanoffc

भारत में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है। यही शक्ति इसे वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाती है।

दुनिया भर की कंपनियां भारतीय लोगों के कौशल, सृजनात्मकता और सूझ-बूझ के कारण यहां आ रही हैं।

कला, परंपरा और संस्कृति के क्षेत्रों में भी इसी प्रकार का एक बड़ा अवसर साकार होने की प्रतीक्षा कर रहा है।

भारत की कलात्मक विरासत एक ऐसी सुदृढ़ क्षमता है, जो वैश्विक बाजारों में अपनी पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

**Kiren Rijiju**
@KirenRijiju

18 जुलाई को भारत के एक युवा स्टार्टअप ने एक बड़ी सिद्धी प्राप्त की है। विश्व के बहुत कम ही देश है, जहाँ इस प्रकार से प्राइवेट साहस हुए हैं और भारत के युवाओं ने अंतरिक्ष में उड़ान भरी है: माननीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी

#Parliament
#MonsoonSession2026

## प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो संदेश में दिए सुझावों के लिए युवाओं को दिया धन्यवाद

दो घंटे में ही आत्मनगरी के 12 लाख व्यवस्था बढ़े

## केमिकल और रेल कनेक्टिविटी पर केंद्रीय कैबिनेट के 2 अहम फैसले

# 3,030 करोड़ से देश में 3 बड़े केमिकल पार्क बनाएगी सरकार, आयात पर निर्भरता घटेगी

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

केंद्र सरकार देश में तीन बड़े केमिकल पार्क बनाएगी। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 3,030 करोड़ की भारत-रसायन योजना को मंजूरी दी गई। योजना 2026-27 से 2030-31 तक चलेगी। प्रत्येक पार्क कम से कम 2,000 एकड़ में बनेगा। केंद्र हर पार्क के लिए अधिकतम 1,000 करोड़ रु. देगा। संबंधित राज्य सरकार को कम से कम 500 करोड़ रु. लगाने होंगे।

पार्कों में कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट, खतरनाक कचरे के निपटान, पानी, सॉल्वेंट रिकवरी, स्टीम नेटवर्क, पाइपलाइन,

## ग्लासगो में झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में जीता ब्रॉन्ज

## सारनाथ यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल, बौद्ध विरासत को मिली पहचान

## हाइड्रोजन-चालित वाहनों के लिए 12 परियोजनाओं को मिली मंजूरी

माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण का कारण नदियों का पानी

## सर्वाधिक बाघ भारत में होने पर गर्व : मोदी

परीक्षा सुधारों के लिए पीएम मोदी ने बनाई उच्च स्तरीय टास्क फोर्स

# शिक्षा का आधार सुधारेंगे नीलेकणि, टीम में स्पेस, इंटेलिजेंस और टेक के दिग्गज

लीक-प्रूफ परीक्षा पद्धति बनाएंगे ये 10 एक्सपर्ट

अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि

राष्ट्र का नमन (16 अगस्त)

# देश की सुरक्षा और जनकल्याण को सदैव रखा सर्वोपरि

*सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को कार्य संस्कृति बनाने वाले अटल बिहारी वाजपेयी ने देश की सुरक्षा और जनकल्याण को सदैव सर्वोपरि रखा। अपनी राष्ट्रवादी सोच, बेदाग छवि और राष्ट्र समर्पित जीवन से भारतीय राजनीति में एक अमिट छाप छोड़ी। जहां एक ओर उन्होंने परमाणु परीक्षण और कारगिल युद्ध में विश्व को उभरते भारत की शक्ति का एहसास करवाया तो वहीं दूसरी ओर देश में सुशासन की परिकल्पना को चरितार्थ किया। उनका विजन और मिशन विकसित भारत के संकल्प में निरंतर शक्ति का करता रहेगा संचार...*

- कनेक्टिविटी पर अटल जी के विजन ने 21वीं सदी के भारत को मजबूती दी।
- सशक्त, समृद्ध व स्वावलंबी भारत के निर्माण के लिए जीवन समर्पित कर दिया।

“

*सभी देशवासियों की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी को उनकी पुण्यतिथि पर सादर नमन। राष्ट्र के चौतरफा विकास को लेकर उनका समर्पण और सेवा भाव विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान के लिए हर किसी को प्रेरित करने वाला है।*

**-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**


न्यू इंडिया समाचार पाक्षिक

आर.एन.आई, DELHIN/2020/78812, 16-31 अगस्त, 2026

आरएनआई DELHIN/2020/78812 (प्रकाशन तिथि- 04 अगस्त, कुल पृष्ठ-42)

प्रधान संपादक
धीरेन्द्र ओझा, प्रधान महानिदेशक
पत्र सूचना कार्यालय, नई दिल्ली

प्रकाशक
कंचन प्रसाद
महानिदेशक, केंद्रीय संचार ब्यूरो

कमरा संख्या-278, केंद्रीय संचार ब्यूरो,
सूचना भवन, द्वितीय तल,
नई दिल्ली- 110003 से प्रकाशित